@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 7 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 274 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यौन उत्पीड़न केस में तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- 2 हफ्ते में सरेंडर करें 2013 में साथी पत्रकार ने आरोप लगाया था

एजेंसी
श्रीनगर । बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें।

इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप

लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला क्यों पलटा

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की बजाय घटना के बाद पीड़ित महिला के व्यवहार पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही, तेजपाल के माफी मांगने वाले ई-मेल जैसे अहम सबूतों को भी सही अहमियत नहीं दी। कोर्ट ने तेजपाल को IPC की धारा 376(2)(f), 376(2)(k), 354A और 354B के तहत दोषी माना है। ये धाराएं रेप, यौन उत्पीड़न और महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला करने से संबंधित हैं।

तेजपाल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

ई20 पर आमने-सामने: 'ई50 की तैयारी, नए वाहन न खरीदें

केजरीवाल और अमित मालवीय में तीखी जुबानी जंग

एजेंसी
झांसी । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और भाजपा के आईटी विभाग प्रमुख अमित मालवीय के बीच एक्स पर तीखी बहस सामने आई। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन में इथेनॉल मिश्रण करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार ई20 ईंधन के बाद पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 50 फीसदी से अधिक बढ़ाएगी। केजरीवाल ने लोगों से फिलहाल नए पेट्रोल और डीजल वाहन खरीदने से बचने का आग्रह किया।

केजरीवाल का दावा- मोदी सरकार ला रही ई50

उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही ई0 और ई10 वाहनों में ई20 पेट्रोल डालकर उन्हें खराब कर चुकी है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार वैज्ञानिक अध्ययन का सम्मान किए बिना ई20 की तरह ई50 भी लागू करेगी। उन्होंने मालवीय को ई20 पेट्रोल लागू करने से पहले किए गए किसी भी अध्ययन को सार्वजनिक करने की चुनौती दी।

भाजपा आईटी हेड का केजरीवाल पर पलटवार- अमित मालवीय ने केजरीवाल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्र ने ई20 से आगे मिश्रण बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने केजरीवाल के तर्क को तथ्यों के बजाय भय पर आधारित बताया। मालवीय ने कहा कि ई20

बिना वैज्ञानिक अध्ययन के लागू नहीं किया गया था। देश का इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम दो दशकों से अधिक समय से चरणबद्ध तरीके से चल रहा है।

ई20 पर आप-भाजपा आमने सामने

केजरीवाल ने सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार एटीएफ में भी इथेनॉल मिश्रण की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार माहौल शांत होने का इंतजार कर रही है। इसके बाद वह पेट्रोल में 50 फीसदी से अधिक इथेनॉल मिलावट करेगी। केजरीवाल ने कहा कि यदि आज कोई नया ई20 वाहन खरीदता है, तो सरकार कुछ दिनों बाद उसमें ई50 पेट्रोल डालकर उसे खराब कर देगी। उन्होंने सरकार के इस तरीके को विज्ञान और तकनीक का अनादर बताया।

भाजपा का पलटवार

अमित मालवीय ने केजरीवाल पर फर्जी खबर फैलाने और अनावश्यक माहौल पैदा करने की पुरानी आदत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ई50 पर बहस उठाना केवल भय फैलाने की राजनीति है। मालवीय ने यह भी स्पष्ट किया कि ई20 कोई जल्दबाजी का निर्णय नहीं था। ई20 को लागू करने से पहले व्यापक परीक्षण और सभी संबंधित पक्षों के साथ परामर्श किया गया था।

सपा पर बरसे योगी: परिवारवाद, दंगे और पेपर लीक को लेकर साधा निशाना

कौमी पत्रिका

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के गोविंद साहब में शुक्रवार को आयोजित जनसभा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर परिवारवाद, कानून व्यवस्था, सरकारी भर्तियों और दंगों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में योग्यता के बजाय भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार हावी था, जबकि वर्तमान सरकार विकास, रोजगार और सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा पिछड़ों और युवाओं की बात करती है, लेकिन उसके शासनकाल में उनके हितों की अनदेखी हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता नहीं थी और प्रश्नपत्र खरीदने, घर ले जाकर परीक्षा लिखने तथा गांव-गांव नौकरी बेचने जैसी शिकायतें सामने आती थीं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार अब तक नौ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सरकारी नौकरी दे चुकी है। योगी ने कहा कि सपा शासन में बालू, भूमि, वन और पशु माफिया सक्रिय थे। अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था। सपा के झंडे के सहारे अवैध वसूली और दबंगई होती थी। इससे व्यापारी भय के माहौल में रहते थे। अब सरकार माफिया और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। सहारनपुर,

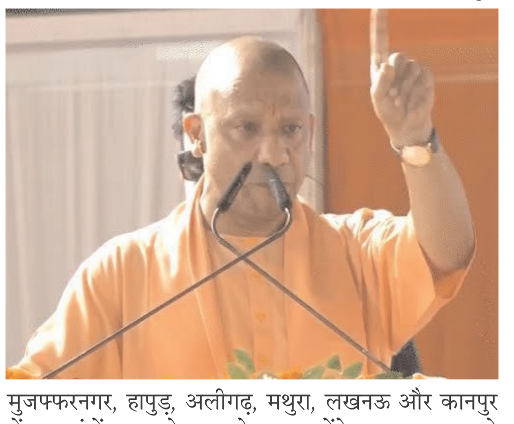

मुजफ्फरनगर, हापुड़, अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ और कानपुर में हुए दंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि अब प्रदेश की पहचान नो कर्फ्यू, नो दंगा के रूप में बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना से स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिली है। इससे किसानों, कारीगरों तथा छोटे उद्यमियों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए महाराजा सुहेलदेव, वीरांगना ऊदा देवी, रानी दुर्गावती, अवंतीबाई लोधी, महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास, डॉ. भीमराव आंबेडकर, छत्रपति साहूजी महाराज और ज्योतिबा फुले से जुड़े स्थलों के विकास का उल्लेख किया। योगी ने आरोप लगाया कि अयोध्या को सम्मान मिलना, सपा और कांग्रेस को पसंद नहीं है। सपा सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चलीं और कांग्रेस ने भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए, जबकि अब अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो चुका है। ऐतिहासिक धरोहरों को सम्मान दिलाने का कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए निशुल्क राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के इलाज, निराश्रित महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों की पेंशन तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की जानकारी दी। गांवों में सड़क, बिजली और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

लखीमपुर खीरी हिंसा केस

आशीष मिश्रा को फिलहाल राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल बढ़ाने से किया इनकार

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में और अधिक ढील देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मिश्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जमानत की शर्तों में और राहत देने की मांग की थी।

आशीष मिश्रा ने अदालत से क्या मांग की थी?

आशीष मिश्रा की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मौजूदा जमानत शर्तों के कारण वह

अपने परिवार के कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटियों के जन्मदिन जैसे पारिवारिक आयोजनों में भी शामिल होने से वंचित रह जाते हैं। इसी आधार पर जमानत की शर्तों में और ढील देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर क्या कहा?

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि फिलहाल इस प्रार्थना पर विचार करने का कोई आधार नहीं है। आवेदन खारिज किया जाता है। इसके साथ ही अदालत ने आशीष मिश्रा की याचिका को अस्वीकार कर दिया।

यह घटना 3 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के टिकुनिया गांव में हुई थी। उस समय किसान, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। इसी दौरान हिंसा भड़क गई, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा।

दिल्ली हाई कोर्ट से पहलवान सुशील कुमार को झटका

सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में जमानत याचिका खारीज

एजेंसी
नई दिल्ली। पहलवान सुशील कुमार को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। सुशील ने पहलवान सागर धनखड़ के मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। गुरुवार को अदालत ने सुशील की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

सुशील कुमार ने 6 फरवरी को रोहिणी कोर्ट द्वारा नियमित जमानत याचिका खारिज करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुशील फिलहाल 2021 में हुए पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। जूनियर नेशनल कुश्ती चैंपियन पहलवान सागर धनखड़ की हत्या 4-5 मई 2021 की रात को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम परिसर में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें और उनके साथियों को कुछ लोगों द्वारा जबरन अगवा करके स्टेडियम लाया गया था, जहां लाठी, डंडों और हॉकी स्टिक से उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। गंभीर मारपीट और सिर पर गहरी

चोट लगने के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान सागर की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, धनखड़ को किसी भारी चीज से चोट लगने के कारण दिमाग में गंभीर चोट लगी थी। धनखड़ की हत्या के मामले में पहलवान सुशील कुमार को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

गृह मंत्री सदन में आएं, छात्रों पर कार्रवाई का दें जवाब : खड़गे

'प्रधानमंत्री मांगें माफी'

एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जंतर मंतर के पास छात्रों पर हुई कार्रवाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों से पूरा विपक्ष इस मांग पर अड़ा है कि गृह मंत्री खुद सदन में आएं और जवाब दें। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि छात्रों के साथ अन्याय और अत्याचार हुआ। जिस तरह से उन पर लाठीचार्ज और फायरिंग की गई, वह गलत था। उन्होंने कहा, 'ऐसी चीजें इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए थीं। पैलेट गन, आंसू गैस, लाठी, इलेक्ट्रिक बैटन, कील वाली लाठी- सब कुछ छात्रों पर चलाया गया। छात्रों ने कोई बवाल नहीं किया था। क्या उन्होंने 20-50 सरकारी गाड़ियां तोड़ीं? क्या किसी नेता को रोका और सवाल पूछा? वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन उन्हें हटाने के लिए जो तरीके अपनाए गए, वह बहुत गलत है।'

खड़गे ने मांग की कि गृह मंत्री खुद सदन में आकर सफाई दें। उन्होंने कहा, 'इनको सदन में आकर जवाब देने में क्या मजबूरी है? इसके दो ही मतलब हो सकते हैं। एक तो ये सोच रहे हैं कि इस मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया जाए। दूसरा, ये डर गए हैं। मैं बस इतना पूछना चाहता हूं कि जो दुख आपने विद्यार्थियों को पहुंचाया है, जो उनके माता-पिता तक पहुंचा है, उसके लिए हम आपकी हाजिरी सदन में चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, 'वे सदन में नहीं आ रहे हैं, इसलिए सदन नहीं चल पा रहा है। सदन नहीं चलने की जिम्मेदारी केवल गृह मंत्री अमित शाह की है, संसद सदस्यों की नहीं। इसी वजह से आज हमने राज्यसभा में यह मुद्दा फिर से उठाया है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि प्रधानमंत्री माफी मांगें और गृह मंत्री सदन में बयान दें। उन्होंने कहा, 'चाहे झारखंड हो, पंजाब हो या दिल्ली हो, हम विद्यार्थियों के साथ हैं। उनकी समस्याओं को हल कराने के लिए हम लड़ते रहेंगे।'

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में इस सप्ताह भारी वर्षा जारी रहने के आसार

एजेंसी
नई दिल्ली । देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में अगले 5-6 दिनों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी इस दौरान भारी बारिश जारी रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को सुबह-दोपहर के बीच कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम और कुछ जगहों पर भारी बारिश होने के आसार हैं। यह सिलसिला रात तक जारी रह सकता है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31-33 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। शनिवार और रविवार को भी यही स्थिति बनी रहेगी। राजधानी में आज सुबह से झमाझम बारिश होने से कई जगह जलभराव हो गया और कहीं-कहीं पर आवाजाही करने वालों को भारी जाम का सामना करना पड़ा। आईएमडी के मुताबिक सप्ताह के अधिकतर दिनों में उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य भारत के कई हिस्सों तथा पूर्वी, पूर्वोत्तर भारत में कुछ जगहों पर भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में 9-12 अगस्त, हिमाचल प्रदेश में 6-12 अगस्त, उत्तराखंड में 7-12 अगस्त, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 7 अगस्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-10 अगस्त, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7-9 अगस्त, पश्चिमी राजस्थान में 8-10 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 10-11 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही पूर्वी राजस्थान में 7-9 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों की आवाज नहीं दबाई जा सकती : राहुल गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन छात्रों की मांगें सुनने के बजाय उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रहा है। राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन प्रशासन उन्हें सुनने के बजाय उन पर प्राथमिकी दर्ज कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की नीति युवाओं की आवाज दबाने की है। राहुल ने लिखा, 'सवाल पूछो तो लाठी, विरोध करो तो मुकदमे और आवाज उठाओ तो पेलेट गन।' कांग्रेस नेता ने कहा कि जब उन्होंने छात्रों की बात सुनने के लिए प्रयागराज जाने का निर्णय लिया, तभी से प्रशासन उनके कार्यक्रम को हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज से भी डर रही है। राहुल ने कहा, 'मैं छात्रों के साथ हूं। सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, मुझे छात्रों की आवाज उठाने से रोक नहीं सकती।'

टेरिटोरियल आर्मी 'सिटीजन-सोल्जर' की सर्वोत्तम मिसाल : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की

पर्यावरण संरक्षण में टेरिटोरियल आर्मी के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि इस कार्य बल ने अब तक करीब 10 करोड़ पौधे लगाए हैं। इनमें 80 से 85 प्रतिशत पौधे जीवित हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टेरिटोरियल आर्मी की भूमिका, जिम्मेदारियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने टेरिटोरियल आर्मी को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सेना जहां देश की सुरक्षा करती है, वहीं टेरिटोरियल आर्मी पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों में भी बड़ी भूमिका निभाती है।

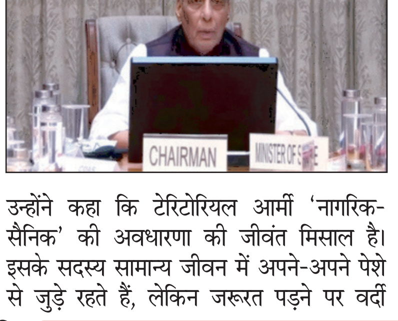

उन्होंने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी 'नागरिक-सैनिक' की अवधारणा की जीवंत मिसाल है। इसके सदस्य सामान्य जीवन में अपने-अपने पेशे से जुड़े रहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वर्दी पहनकर देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी, सशस्त्र बलों के लिए प्रशिक्षित जवानों का ऐसा बड़ा समूह तैयार करती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। सेवा पूरी करने के बाद ये जवान समाज में लौटकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी में लगभग 44,400 जवान हैं और इसकी 59 इकाइयां हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय टेरिटोरियल आर्मी सबसे पहले राहत और बचाव कार्य में पहुंचती है। केरल की बाढ़, ओडिशा के चक्रवात और हाल में असम की बाढ़ के दौरान जवानों ने राहत, बचाव और चिकित्सा सहायता का महत्वपूर्ण कार्य किया।

जेपी नड्डा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

• समीक्षा बैठक की

यह उनके तीन दिवसीय दौरे का आखिरी चरण है।

एजेंसी
इटानगर । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इस क्रम में जेपी नड्डा ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश में आई बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया और जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि मैंने आज अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में मुख्यमंत्री पेमा खंडू भाजपा, उपमुख्यमंत्री चोवना मी भाजपा, मंत्रियों, विधायकों और राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक हाल ही में आई बाढ़ और बादल फटने से प्रभावित क्षेत्रों के मेरे दौरे के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि मैंने सभी संबंधित विभागों को आपदा के बाद उत्पन्न होने वाली जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे राहत, पुनर्वास और स्वास्थ्य देखभाल प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र सरकार राज्य सरकार के समन्वय से प्रभावित लोगों को त्वरित राहत, वित्तीय सहायता और सभी आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी। यह उनके तीन दिवसीय दौरे का आखिरी चरण है। इससे पहले वे असम और नागालैंड के बाढ़ और भूस्खलन वाले इलाकों का जायजा ले चुके हैं। बुधवार को जेपी नड्डा असम में थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ उन्होंने शिवसागर जिले के बिहुबोर और नेपाली खुटी इलाकों का दौरा किया था। यहां बाढ़ से सैकड़ों घरों को नुकसान पहुंचा है, खेत पानी में डूब गए और मवेशियों का भी काफी नुकसान हुआ है। लोगों से बात करते हुए जेपी नड्डा ने कहा था कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। राहत और पुनर्वास के काम में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया था कि केंद्र की टीम नुकसान का आकलन कर रही है ताकि मदद का काम जल्द शुरू किया जा सके। जेपी नड्डा ने असम के लोगों को भरोसा दिलाया कि पुनर्निर्माण में केंद्र हर संभव मदद करेगा।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की 20वीं मंजिल पर आग, बड़ा हादसा टला

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, निवासियों और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, सन टावर-3 की 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगी थी। आग लगते ही हड़कंप मचा, पर रेजिडेंट्स और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत से आग बुझा दी। फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था। यह सोसायटी में आग लगने की पहली घटना नहीं है। निवासियों का आरोप है कि फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। निवासियों ने बिल्डर और प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त कर तत्काल फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट की मांग की है।

हैवान बना पिता, 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म ; गिरफ्तार

जोनपुर (एजेंसी)। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करने वाला एक हृदय विदारक मामला उत्तर प्रदेश के जमालपुर से सामने आया है। यहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफपोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयानों के अनुसार यह शर्मनाक घटना बीते 5 अगस्त को घटित हुई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी अरविंद शर्मा, जो कि पीड़िता का सगा पिता है, तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर उस दिन काम पर नहीं गया और घर पर ही रुक गया। शाम को जब मां काम से लौटी तो 16 वर्षीय बेटी ने रोते हुए उसे अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि जब वह घर में अकेली थी और अपने काम निपटाकर कमरे में आराम कर रही थी, तभी उसके पिता अरविंद शर्मा ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बेटी को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। मां की शिकायत पर जमालपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को बम धमकी वाला ई-मेल, मेट्रो, स्कूल और शेयर बाजार को उड़ाने की चेतावनी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े के आधिकारिक ई-मेल पते पर बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। ई-मेल में मुंबई महापौर कार्यालय, मुंबई मेट्रो, स्कूलों और शेयर बाजार को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दावा किया गया है कि 15 अगस्त से पहले मुंबई में विस्फोट किए जाएंगे। इसके बाद मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में अलगाववादी नारे लिखे गए हैं और कुछ व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही लोगों को बच्चों को स्कूल न भेजने और मेट्रो से यात्रा नहीं करने जैसी चेतावनियां भी दी गई हैं। फिलहाल पुलिस इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि महापौर ऋतु तावड़े को इससे पहले भी दो बार धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। इस बार मिले ई-मेल के बाद साइबर पुलिस ई-मेल के आईपी एड्रेस, स्रोत और प्रेषक की पहचान करने में जुटी है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं।

केजरीवाल का दावा : पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं।

केजरीवाल का ये बयान तब हैं जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था। केंद्र सरकार ने मेटा को स्पष्ट किया है कि वे इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे खुद कंटेंट का चुनाव करते हैं, इसलिए आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर का नियम उन पर लागू नहीं होता। घटनाक्रम के बीच, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सेक्रेटरी एस. कृष्णन से मुलाकात की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो गलती से हटाने की जानकारी दी गई। इससे पहले, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक से प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने पर जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि भारत में प्लेटफॉर्म को मिलने वाली कानूनी छूट समाप्त की जा सकती है।

अनुच्छेद 370 की बरसी पर अनंतनाग रैली के नारों पर विवाद

-विपक्ष के विरोध के बाद भाजपा ने दी सफाई

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर अनंतनाग में निकाली गई एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इसे कश्मीरी महिलाओं का अपमान बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। बढ़ते विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर भाजपा ने इन नारों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था। इसकी सातवीं बरसी पर भाजपा ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि विपक्षी दलों ने इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाया। अनंतनाग में भाजपा की ओर से निकाली गई रैली के दौरान कुछ नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का आरोप है कि रैली में कश्मीरी भाषा के ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें स्थानीय समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा से जोड़कर देखा जाता है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन शब्दों का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया, वह महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस तरह के नारे कश्मीर की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विपरीत हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े सम्मानजनक संबोधनों का राजनीतिक नारों में इस प्रकार इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। विपक्ष ने इसे पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर भाजपा ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी महिलाओं के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन नहीं करती। पार्टी के अनुसार यदि रैली के दौरान कुछ व्यक्तियों ने अपनी व्यक्तिगत सोच के आधार पर कोई नारा लगाया है, तो उसे भाजपा की आधिकारिक नीति या विचारधारा नहीं माना जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि विवादित नारे संगठन या रैली का नेतृत्व कर रहे नेताओं के आधिकारिक विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। विपक्ष भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा का कहना है कि पार्टी का महिलाओं के सम्मान पर रुख स्पष्ट है और किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत टिप्पणी को संगठन की आधिकारिक राय नहीं माना जा सकता।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने फिर करवट बदली है। बीती देर रात से दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार, 7 अगस्त के लिए तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह और पूर्वाह्न के दौरान मध्यम से भारी वर्षा की चेतावनी है। इस झमाझम बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी है, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव और टूटी सड़कों पर बने गहरे गड्ढों ने यातायात को बुरी तरह बाधित किया है। लगातार दो दिनों की बारिश से अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हालांकि, सुबह दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल वाहनों को सड़कों पर लंबी कतारों के कारण खासी परेशानी झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, साथ ही दिनभर बादल छाए रहने वाले हैं और भारी बारिश जारी रह सकती है। अगले कुछ दिनों तक, यानी 8 से 12 अगस्त तक, दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री और न्यूनतम 24-25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बारिश के कारण राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे वाहन चालकों को दिक्कतें आ रही हैं।

बारिश के बीच विपक्ष ने संसद परिसर में किया जोरदार प्रदर्शन

-जंतर-मंतर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मकर द्वार पर नारेबाजी, छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 15वें दिन शुक्रवार को भी संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र होकर जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। तेज बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर धरना देने पहुंचे और सरकार विरोधी नारे लगाए।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को संवाद के बजाय बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके साथ बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। सांसदों का कहना था कि दोनों ही मुद्दे जनहित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शन में शामिल सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे।

सीजेपी ने बनाई राष्ट्रीय कार्यसमिति, अभिजीत दीपके बने राष्ट्रीय संयोजक

12 लोगों की मेन टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर दिया। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके को राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और प्रवक्ता आशुतोष रांका को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसे राजनीतिक दल में परिवर्तित नहीं किया जाएगा और उसका फोकस जमीनी स्तर पर जनसंगठन तैयार करने पर रहेगा।

सीजेपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यसमिति ने संगठन के विस्तार की रूपरेखा को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में सभी राज्यों में समन्वय समितियों के गठन के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर पर भी संगठनात्मक इकाइयां बनाई जाएंगी। संगठन ने कहा कि घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फिलहाल पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी में अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और दीपक बालियान को सह-संगठन प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव, विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को कानूनी मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौड़ को शोध एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। संगठन ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पूर्वोत्तर तथा पश्चिम क्षेत्र के लिए भी अलग-अलग नेतृत्व की जिम्मेदारियां तय की हैं।

सौरव दास ने बताया कि सदस्यता अभियान संगठन की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया जाएगा। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पेशेवरों और श्रमिकों से संगठन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सीजेपी फिलहाल किसी प्रकार का चंदा या फंड एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक दावे से सावधान रहने की भी अपील की। दास ने कहा कि कई लोग चाहते हैं कि सीजेपी राजनीतिक दल बने, लेकिन मौजूदा समय में संगठन का उद्देश्य चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर काम करना है। उनका कहना था कि संगठन पहले अपने नेटवर्क और जनसंपर्क को मजबूत करेगा। इस दौरान आशुतोष रांका ने बताया कि सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद संगठन के शीर्ष पदाधिकारी भी राज्य का दौरा करेंगे। संगठन ने कहा कि शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता उसके प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगी।

ऊना दलित अत्याचार : मायावती ने की गुजरात सरकार से हाईकोर्ट में सख्त पैरवी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में वर्ष 2016 के चर्चित दलित अत्याचार मामले में लोकल अदालत द्वारा अधिकांश आरोपियों को बरी करने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है और पीड़ित दलित परिवारों को हाईकोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए भारी आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमों मायावती ने गुजरात सरकार से तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। बसपा मुखिया ने याद दिलाया कि इस घटना के बाद वह खुद पीड़ितों से मिलने ऊना गई थीं और तभी राज्य सरकार से सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि देश भर में रोष के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का बरी होना दलितों के प्रति सरकारी उदासीनता और उनके हितों की उपेक्षा का परिणाम लगता है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार के पास अभी भी मौका है कि वह अपनी गलती सुधारते हुए उच्च न्यायालय में उचित पैरवी सुनिश्चित करे। मायावती ने सुझाव दिया कि गुजरात सरकार को पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुसार, सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराने चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बसपा की यूपी सरकार ने गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया था। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगा बल्कि दूसरों के लिए भी एक सबक बनेगा।

केपी ग्राउंड में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सशर्त मंजूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने केपी ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से परामर्श के बाद आयोजकों को कुछ शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी गई है।

ट्रस्ट की ओर से रखी गई शर्तों में कॉलेज में अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रभावित नहीं होना और जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना शामिल है। इससे पहले ट्रस्ट ने मैदान के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति जताई थी। ट्रस्ट का कहना था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केपी कॉलेज के मैदान का उपयोग खेलकूद और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा अन्य कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता। साथ ही बारिश के कारण मैदान में पानी भरे होने से आयोजन को लेकर जोखिम की बात भी कही गई थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम को रद्द कराने का प्रयास कर रही है। पार्टी ने कहा था कि वह तय स्थान केपी ग्राउंड में ही छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति को लेकर बातचीत हुई है और सहयोग का आश्वासन मिला है।

अजय राय ने राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे का कार्यक्रम भी जारी किया। इसके अनुसार राहुल गांधी 8 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे विशेष विमान से दिल्ली से प्रयागराज पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से आनंद भवन जाएंगे। शाम 6 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह प्रयागराज हवाई अड्डे से रात साढ़े 9 बजे विशेष विमान से दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यह एक निजी संस्था और कांग्रेस के बीच अनुमति का मामला है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास सरकार के दबाव का कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। कार्यक्रम की अनुमति को लेकर जिला प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। अब सशर्त अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है।

कैप्टन अमरिंदर कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, वह मेरे फेवरेट लीडर

-राहुल गांधी के तारीफ करने के बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच राहुल गांधी ने पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह को फेवरेट लीडर बताकर उनकी तारीफ की है। गुरुवार को दिल्ली में जेन-जी के साथ राहुल गांधी ने इंट्रैक्शन किया। इस दौरान एक युवा ने राहुल गांधी से पूछा कि बीजेपी में आपका फेवरेट लीडर कौन है, तो राहुल गांधी ने कहा- कैप्टन अमरिंदर सिंह, डेफिनेटली। मैं उनके साथ आसानी से घुल-मिल जाता हूं। वह कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, इसलिए मैं उन्हें पसंद करता हूं। हैलो अंकल अमरिंदरज.

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसके बाद से लोग कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाने लगे हैं। इससे पहले कैप्टन खुद कह चुके हैं कि वह कांग्रेस को मिस करते हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक फैमिली की तरह है। मैं जब भी फोन करता था, वह मिल लेते थे। लेकिन बीजेपी में ये सिस्टम नहीं है। कैप्टन ने यहां तक कहा था कि राहुल गांधी ने उनके चचेरे भाई के निधन पर शोक संदेश भेजा लेकिन बीजेपी में किसी ने पूछा तक नहीं। राहुल गांधी की कैप्टन की तारीफ वाला वीडियो जैसे ही सामने आया तो पंजाब कांग्रेस में खलबली मच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटकलें लगाई जा रही हैं कि कहीं पंजाब में गुटबाजी को खत्म करने के लिए राहुल गांधी बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी करवा सकते हैं। कैप्टन की अगुआई में कांग्रेस दो बार यहां सरकार बना चुकी है। वहीं गुरुवार को प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लुधियाना में कहा था कि एक सप्ताह में सब कुछ ठीक हो जाएगा, नहीं तो राहुल गांधी कोई बड़ा फैसला लेंगे। इसी बीच चन्नी गुट के विधायक राणा गुरजीत ने कहा कि अगर कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस में आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। कैप्टन अमरिंदर के गांधी परिवार के अच्छे संबंध हैं। वहीं परगट सिंह ने भी कहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह दो बार पंजाब के सीएम रह चुके हैं। उनके पास अनुभव है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

-कई राज्यों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए। इसके बाद शिवसागर में 49,000 से ज्यादा और जोरहाट में करीब 27,000 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में छह जिलों में 133 राहत शिविर और राहत सामग्री वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां करीब 45,000 विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कुल 481 गांव अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। बुलेटिन के मुताबिक धनसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ के पानी से कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 6 से 12 अगस्त के बीच अरुणाचल प्रदेश में और 8 से 11 अगस्त के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 6-7 अगस्त और 12 अगस्त को असम और मेघालय में और 6-12 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है। मौसम एजेंसी ने कहा कि कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित ज़िलों में 10 अगस्त से पढ़ाई फिर से शुरू करने की योजना का ऐलान किया है। साथ ही सरकार उन छात्रों के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी कर रही है जिनके स्कूल हाल की बाढ़ के कारण पहुंच से बाहर हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा था कि यह फैसला पढ़ाई में रुकावट को कम करने और यह पक्का करने के लिए लिया गया है कि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकें, भले ही बाढ़ से प्रभावित कई शिक्षण संस्थानों में मरम्मत का काम चल रहा हो, जो स्कूल अभी छात्रों को बैठाने लायक नहीं हैं, वे हालात सुधरने तक बंद रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अस्थायी सुविधाएं दी जाएंगी।

अपराध की राह पर बचपन, राजधानी में दुष्कर्म में लिप्त नाबालिगों की संख्या में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। कभी स्कूल की घंटी और खेल के मैदान से पहचाना जाने वाला बचपन अब अपराध के आंकड़ों में दर्ज हो रहा है। राजधानी दिल्ली में नाबालिगों के हाथों दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में आई 121.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी न सिर्फ कानून व्यवस्था, बल्कि पूरे समाज के लिए गहरी चिंता का संकेत है। वर्ष 2024 में दुष्कर्म करने के आरोप में 66 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि 2025 में ये आंकड़ा 146 तक पहुंच गया। सभी तरह के अपराधों में नाबालिगों के शामिल होने की संख्या में 21.67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ा बताता है कि बच्चों का एक हिस्सा किस तेजी से गलत राह पर फिसल रहा है और यह सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर हम अपने बच्चों को किस दिशा में छोड़ आए हैं। कोई ऐसा दिन नहीं जाता है, जिस दिन अखबार में बाल अपराध से जुड़ी खबर न होती हो। इस विषय में दिल्ली पुलिस, सरकार और बच्चों की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे एनजीओ को गंभीरता से सोचना और काम करना होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए ये आंकड़े भारतीय आचार संहिता (बीएनएस) व आईपीसी के तहत दर्ज मामलों का है। दिल्ली पुलिस एक्ट के मामलों में कुल अपराध में 17.22 फीसदी का इजाफा हुआ है। बीएनएस और आईपीसी के तहत जहां वर्ष 2024 में 2999 नाबालिग पकड़े गए थे, वहीं वर्ष 2025 में पकड़े गए नाबालिगों की संख्या 3649 हो गई। कुल अपराध में वर्ष 2024 में 3270 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि वर्ष 2025 में ये आंकड़ा 3833 तक पहुंच गया। साल 2025 में दिल्ली में नाबालिगों की ओर से किए जा रहे अपराध अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। बढ़ते अपराधों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है। दिल्ली में कई जिला पुलिस नाबालिगों को अपराध से दूर करने के लिए कार्यक्रम चला रही हैं। इसमें एनजीओ, मनोचिकित्सक की सहायता ली जा रही है। नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकाल कर रोजगार में लगवाया जा रहा है। कई बच्चे स्कूल बीच में छोड़ देते हैं और घर पर उनकी सही निगरानी नहीं हो पाती। माता-पिता के व्यस्त जीवन और टूटती पारिवारिक संरचना का असर बच्चों के व्यवहार पर साफ दिखने लगा है। गलत संगत में पड़े बच्चे धीरे-धीरे अपराध की ओर बढ़ जाते हैं और घरवालों को इसका अंदाजा भी नहीं होता। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने कम उम्र के बच्चों को एक ऐसी दुनिया दे दी है, जहां लोकप्रियता और स्टाइल की होड़ चलती रहती है। हथियार दिखाने वाले वीडियो, गैंगस्टर जैसे रील, और 'हीरो' बनने की चाह उन्हें गलत दिशा में धकेलने लगी है।बच्चों को यह समझ ही नहीं आता कि मनोरंजन के नाम पर देखा गया कंटेंट वास्तविक दुनिया में क्या असर डाल सकता है। दिल्ली में सक्रिय कई अपराधी गिरोह अब नाबालिगों को अपने साथ जोड़ने लगे हैं। उन्हें पैसों या नशे का लालच दिया जाता है और फिर छोटे-बड़े अपराध करवाए जाते हैं। गैंगस्टर जानते हैं कि नाबालिगों को कानून के तहत कम सजा मिलती है, इसलिए वे जोखिम भरे काम इन्हीं से करवाते हैं। बाइक चलाने वाले किशोर इन गिरोहों के सबसे आसान शिकार बन जाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संयुक्त परिवारों के बिखरने से बच्चों का भावनात्मक संतुलन कमजोर हुआ है। बड़े-बुजुर्गों की सीख, भाई-बहनों का सहारा और परिवार की सामूहिक देखभाल ने बच्चों को हमेशा सुरक्षित रखा था। अब बच्चों के पास न तो सही मार्गदर्शन है और न ही वह माहौल, जो उन्हें गलत कामों से दूर रख सके। किशोर उम्र में आकर्षण और जिज्ञासा स्वाभाविक है, लेकिन मोबाइल और सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध आपत्तिजनक सामग्री बच्चों के दिमाग पर गहरा प्रभाव डालती है। वे संबंधों, सफलता और प्रसिद्धि को बहुत हल्के में समझने लगते हैं और साथियों को प्रभावित करने के लिए गलत फैसले ले बैठते हैं। दिल्ली पुलिस नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकालने के लिए कई कदम उठा रही है। पुलिस के साथ ही साथ समाज को भी जिम्मेदारी है कि इन्हें गलत मार्ग पर जाने से रोका जाए। दिल्ली पुलिस अपनी ओर से नाबालिगों के लिए रूरल प्रतियोगिता, एंट्री ड्रग्स क्लब, युवा कार्यक्रम, प्रहरी क्लब के साथ ही बस्तियों में जाकर संपर्क भी करती है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1281 टीएसआर के चालान

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले में अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड तीन पहिया स्कूटर रिक्शा (टीएसआर) के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया। ये वाहन ट्रैफिक नियम तोड़कर जाम, अवैध पार्किंग और सार्वजनिक असुविधा पैदा करते हैं। उपायुक्त ट्रैफिक पुलिस सतीश कुमार ने बताया कि शिव विहार, लोनी और खजूरी खास के आरडब्ल्यूए तथा स्थानीय निवासियों की लगातार शिकायतों पर पुलिस ने प्रमुख चौराहों, मुख्य सड़कों, बॉर्डर इलाकों और जाम वाली जगहों पर विशेष निगरानी और चेकिंग बढ़ाई। जांच में कई टीएसआर बिना वैध परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस व अन्य जरूरी दस्तावेजों के चलते पाए गए। यह वाहन ट्रैफिक नियमों का भी उल्लंघन करते पाए गए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक अनुशासन बहाल करने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। उल्लंघन करने वाले टीएसआर पर सख्त कार्रवाई हुई, जिसमें 1281 चालान काटे गए और गंभीर मामलों में 155 वाहन जब्त किए गए। उपायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए अभियान जारी रहेगा। सभी से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है।

दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू से गोदकर की हत्या, पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताजा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए, अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बताया कि रात करीब 9 बजे नाबालिग को चाकू मारे जाने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नाबालिग को तुरंत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके पेट में चाकू के घाव थे। सोहेल के पिता पेशे से दर्जी हैं। सोहेल अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ ख्याला इलाके में रहता था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो नाबालिगों को पकड़ लिया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि झगड़े के कारण उनलोगों ने उसपर हमला किया। जांच में पता चला कि पकड़े गए दोनों नाबालिग ने पढ़ाई छोड़ दी है। एक के पिता का देहांत हो चुका है।

दो दिन दिल्ली के कई इलाकों में रहेगा पानी का संकट, कहीं आपका इलाका तो इसमें शामिल नहीं ?

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की वार्षिक फ्लशिंग कर रहा है। ऐसे में 11 और 12 फरवरी को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में पानी नहीं आएगा। 11 फरवरी को हिरनकूदना, बक्करवाला गांव, लोकनायक पुरम, टिकरी गांव, मुंडका गांव, नीलवाल गांव, स्वर्ण पार्क सहित किशनगढ़ और महरौली, एलआईजी पुल प्रह्लादपुर और एचआर-ब्लॉक पीपी पुरम क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। 12 फरवरी को अर्जुन पार्क, इंद्रा पार्क, नांगली सकरावती, प्रेम विहार, निरंजन पार्क, नांगली विहार एक्सटेंशन पार्ट-1, जेमिनी पार्क, घासीपुरा गांव, राणा जी एन्क्लेव, श्याम विहार फेज-1 व 2 और उससे सटे इलाके, दीनपुर गांव, पपरावट गांव, नया बाजार, विजय पार्क, साईं बाबा एन्क्लेव, रोशन मंडी, नाथूराम पार्क, दीपक विहार, अजय पार्क, किशनगढ़-महरौली, मक्सूदाबाद, लोकेश पार्क, वीरेंद्र मार्केट, पीटीसी झौड़ादा, पंचमुखी मंदिर, लाल कुआं और चुंगी नंबर-2 लाल कुआं में जलापूर्ति प्रभावित होगी।

सरकार की आगामी नीति से उम्मीद है कि ई-रिक्शा संचालन अधिक सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की औसत मासिक आय में इस वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नवंबर तक निगम की औसत मासिक कमाई 91 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई। जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा करीब 68 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में डीटीसी की टिकट आय 326.8 करोड़ रुपये रही थी। वहीं, 2025-26 में नवंबर तक 238.4 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की जा चुकी है। अधिकारियों का अनुमान है कि यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष से आगे निकल सकता है। औसत मासिक आय, जो पहले लगभग 68 करोड़ रुपये थी, अब बढ़कर 91.11 करोड़ रुपये हो गई है। हां, टिकट के अलावा अन्य स्रोतों से होने वाली कमाई में भी बढ़ोतरी हुई है।विशेष किराये (स्पेशल हायर) पर बस सेवाओं से पिछले वित्त वर्ष में 82 करोड़ रुपये की आय हुई थी। जबकि इस वर्ष नवंबर तक 65 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। इससे सरकारी विभागों और अन्य संस्थाओं की बढ़ती मांग का संकेत मिलता है। विविध आय, जिसमें किराया प्राप्ति, कबाड़ निपटान और अन्य सहायक स्रोत शामिल हैं, भी डीटीसी की आय का अहम हिस्सा रही है।पिछले वित्त वर्ष में यह आय 98 करोड़ रुपये से अधिक थी। जबकि इस वर्ष नवंबर तक यह बढ़कर 144 करोड़ रुपये पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी निगम को वित्तीय राहत प्रदान कर रही है। परिवहन विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती आय सकारात्मक संकेत है, लेकिन केवल राजस्व वृद्धि से दीर्घकालिक वित्तीय चुनौतियों का समाधान नहीं होगा। लागत प्रबंधन और संचालन सुधार भी उतने ही जरूरी हैं।

मरीज से बात करते हुए डॉक्टरों ने किया किडनी ट्रांसप्लांट, मां ने दान की किडनी

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) में पहली बार अवेक किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। ट्रांसप्लांट के दौरान मरीज होश में रहा, डॉक्टर उससे बात करते रहे। उसने मां का हालचाल पूछा। डॉ अभियुत्थान सिंह ने बताया कि ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया में जनरल एनेस्थीसिया की जगह एपिड्यूरल एनेस्थीसिया दिया गया। इसमें मरीज के नाभि से नीचे वाले हिस्से को सुन्न कर दिया जाता है। सुन्न करने के लिए एक कैथेटर (पतली ट्यूब) के माध्यम से रीढ़ की हड्डी के पास एपिड्यूरल स्पेस में दवा दी जाती है। इसमें एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ गौरव सिंधवानी ने सहयोग किया। मरीज को उसकी मां ने किडनी दान की है। ट्रांसप्लांट के दौरान मरीज ने अपनी मां की सेहत के बारे में भी पूछा। मां से किडनी निकालने में करीब ढाई घंटे का समय लगा और उसके बाद मरीज को किडनी लगाने में लगभग तीन घंटे का समय लगा। किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद मरीज ने यूरिन आने की जानकारी खुद से दी। ट्रांसप्लांट के एक कैथेटर (पतली ट्यूब) के माध्यम से रीढ़ की हड्डी के पास एपिड्यूरल स्पेस में दवा दी जाती है। इसमें एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ गौरव सिंधवानी ने सहयोग किया। मरीज को उसकी मां ने किडनी दान की है। ट्रांसप्लांट के दौरान मरीज ने अपनी मां की सेहत के बारे में भी पूछा। मां से किडनी निकालने में करीब ढाई घंटे का समय लगा और अगले ही दिन मरीज ने खाना शुरू कर दिया और चलने-फिरने लगा। नई दिल्ली। एम्स ने एक साल में दस हजार सर्जरी का रिकॉर्ड बनाया है। सर्जिकल डिसिप्लिन्स विभाग ने इसमें अलग-अलग तरह की सर्जरी की है। अस्पताल मंगलवार को इस बारे में प्रेस वार्ता करेगा। बता दें कि ओपन सर्जरी, लेप्रोस्कॉपी और रोबोट की मदद से मरीजों की हर प्रकार की सर्जरी की गई। इससे पहले एम्स ने 13 महीने में एक हजार रोबोटिक सर्जरी करने का रिकॉर्ड बनाया था, जिसमें सबसे अधिक गॉल ब्लैडर की सर्जरी हुई थी।

एनजीटी ने लोनी रोड के एसटीपी पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए डीजेबी को दिए निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को पूर्वी दिल्ली के लोनी रोड इलाके में एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की खराब देखभाल और इससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि निवासियों की शिकायत गंभीर है और इसका उचित जांच व समाधान जरूरी है। डीजेबी के वकील ने आश्वासन दिया कि उचित कदम उठाए जाएंगे। पूर्वी दिल्ली के लोनी रोड स्थित एक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) द्वारा पत्र याचिका के माध्यम से शिकायत की गई थी कि निकटवर्ती एसटीपी की ठीक से देखभाल न होने से दुर्गंधयुक्त गैसें निकल रही हैं, जिससे इलाके के निवासियों को सांस संबंधी समस्याएं, सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य परेशानियां हो रही हैं। अधिकरण ने कहा कि शिकायत में उठाए गए मुद्दे पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े हैं, इसलिए डीजेबी को प्लांट की उचित देखभाल, रखरखाव और संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। डीपीसीसी को एसटीपी का निरीक्षण कर पर्यावरण मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने और आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है।

परवीना के सामने ही मौत के मुंह में समा गए पति-बेटी

कौमी पत्रिका

नई दिल्लीनई दिल्ली। सुबह के नौ बज रहे थे, चाय-नाश्ता करने के बाद सभी अपनी-अपनी झुग्गी में बैठे हुए थे। रबीबुल की पत्नी परवीना को खाना बनाने की चिंता सता रही थी। उसने पति से खाना बनाने की बात की और कुछ सामान लेने के लिए बाहर निकली। जैसे ही झुग्गी से बाहर आई तो तेज आवाज के साथ 10 फीट ऊंची दीवार झुग्गियों पर आ गिरी। बदहवास परवीना झुग्गी की ओर भागी। वह रोते हुए चिल्ला रही थी। जल्दी-जल्दी मलबा हटाकर वह एक पल में अपनी बेटी और पति को निकाल लेना चाहती थी लेकिन वह मलबा हटाती रही। 14 इंच मोटी दीवार का खासा मलबा था। इस बीच बाकी लोग भी मदद को आ गए। कुछ देर बाद बेटी और पति निकले थे उनकी सांसें थम चुकी थीं। हादसे में परवीना के पति, बेटी, देवरानी और उसकी बेटी की मौत हो गई जबकि देवर हसीबुल जिंदगी के लिए अस्पताल में जंग लड़ रहा है। अब बार-बार परवीना रोते-रोते बेहोश हुए जा रही थी। बाकी परिजन उसको समझाने का प्रयास कर रहे थे। एक साथ कई लोगों की मौत की खबर सुनकर उनके आसपास रहने वाले रिश्तेदार वहां जमा हो गए। एक परिजन ने बताया कि पश्चिम बंगाल और असम के रहने वाले करीब 20-25 परिवार प्लॉट में झुग्गी डालकर यहां रह रहे हैं। लोगों ने लकड़ी और तिरपाल की मदद से झुग्गियां बनाई हैं। प्लॉट मालिक उनसे एक-एक हजार रुपये किराये भी वसूलता है। सभी लोग प्लास्टिक का कूड़ा इकट्ठा करके लाते हैं। बाद में यहां मौजूद महिलाएं इस कूड़े को अलग-अलग कर बेच देती हैं। इस पूरे काम में परिवार को 400 से 500 रुपये बच जाते हैं, उसी से पूरे परिवार का खर्चा चलाते हैं। कुछ लोग दिहाड़े मजदूरी भी करते हैं। पिछले तीन साल से परिवार इन झुग्गियों में रह रहे हैं। दूसरी ओर एक झुग्गी में मुत्तू अली बेटी मोइना (12) के साथ रह रहा था। मुत्तू अली की पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी थी। उसकी एक ही बेटी है। शनिवार को हुए हादसे के समय मोइना बाहर निकली थी। इस बीच दीवार गिरी और मुत्तू की मौत हो गई। अब मोइना अनाथ हो गई है। उसके माता-पिता दोनों की मौत हो चुकी है। बच्ची को फिलहाल पड़ोसियों ने अपने पास रखा हुआ है। 17 मई 2025 पहाड़गंज के आराकशा इलाके में निर्माणाधीन इमारत की दीवार गिरने से तीन मजदूर की मौत। बारिश के दौरान यह हादसा हुआ। दो मजदूरों को तुरंत बाहर निकाला गया

बाद में मलबे से एक अन्य को निकाला। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के जैतपुर स्थित हरिनगर पार्ट-2 में शनिवार सुबह बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक समाधि स्थल की ऊंची दीवार खाली प्लाट में बनी झुग्गियों पर भरभराकर गिर गई। दीवार गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोर-शराबे के बीच पड़ोसी मदद को भागे। बाद में पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने मलबे में दबे आठ लोगों को तुरंत एम्स ट्रामा सेंटर के अलावा सफदरजंग अस्पताल भेजा। जहां दो मासूम बच्चियों समेत सात लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य युवक की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही दिल्ली पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अलावा दमकल की आठ गाड़ियां, एनडीआरएफ, नगर निगम, एंबुलेंस और अन्य बचाव दल ने काम शुरू कर दिया। दोपहर बाद तक बचाव का काम चला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने लापरवाही से मौत और लापरवाही बरतकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस बाकी लोगों के बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

अल्पसंख्यक संस्थान आयोग में पद रिक्त नहीं रख सकते, हाईकोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार की दलीलें भ्रामक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग (एनसीएमईआई) में अध्यक्ष और सदस्यों के पदों को खाली नहीं रखा जा सकता है, भले ही कानून में ऐसी नियुक्तियों के लिए कोई समयसीमा निर्धारित न हो। यह पद 2023 से खाली हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की पीठ ने केंद्र की दलीलों को भ्रामक, अस्थिर और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग अधिनियम की मंशा के विपरीत करार दिया। केंद्र ने दलील दी थी कि कानून में इसके लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं होने के कारण न्यायालय को ऐसी नियुक्तियों का निर्देश देने का अधिकार नहीं है। पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आयोग में अध्यक्ष, सदस्यों के पदों को भरने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है। पीठ ने कहा कि अल्पसंख्यक संस्थानों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए काम करने वाला आयोग केवल एक सदस्य के साथ कार्य कर रहा है। इससे संस्थानों के मौलिक अधिकारों की रक्षा प्रभावित हो रही है। पीठ ने शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग से अध्यक्ष और सदस्यों के पदों की रिक्तियों को भरने के लिए उठाए कदमों और नियुक्तियों के लिए निर्धारित समयसीमा का विवरण देते हुए अगली सुनवाई तक हलफनामा देने को कहा। अगली सुनवाई 4 मई को होगी। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने कहा कि पदों के रिक्त होने से आयोग की कार्यवाही में कोई बाधा नहीं आई है। इस पर पीठ ने कहा, रिक्त पदों को भरने के लिए कानून में कोई समयसीमा तय न होने का बहाना बनाकर विधायी जनादेश को निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, पद भरने की समयसीमा नहीं होने का मतलब यह नहीं कि लंबे समय तक कोई कदम नहीं उठाए जाएं।

सपा पर बरसे योगी: परिवारवाद, दंगे और पेपर लीक को लेकर साधा निशाना

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और प्रत्येक जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर अपॉर्च्युनिटी जोन विकसित करने की योजना का भी उल्लेख किया। इन केंद्रों पर युवाओं को स्किलिंग और रोजगार से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कोई मुख्यमंत्री गोविंद साहब नहीं आया। नोएडा जाने से जुड़ी पुरानी राजनीतिक मान्यता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कुर्सी चली जाए तो भी जनता के बीच जाना जरूरी है। हमारी सरकार की प्राथमिकता युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा, व्यापारियों को भयमुक्त वातावरण और बिना भेदभाव सभी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर व्यक्तिगत तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग दोपहर 12 बजे उठते हैं, दो बजे तैयार होते हैं और फिर अपने चाचा से चर्चा के बाद ट्वीट करते हैं। इसके बाद जिम जाने और महफिल जमाने में समय बीत जाता है। जो लोग खुद को नहीं संभाल पा रहे हैं, वे प्रदेश की 25 करोड़ जनता को कैसे संभालेंगे। उन्होंने इसे सपा के नेतृत्व और कार्यशैली पर सवाल बताते हुए प्रदेश की जिम्मेदारी निभाने में विपक्ष की विफलता का आरोप लगाया। मंच से संबोधित करते हुए सीएम योगी ने गोविंद साहब मेले को राजकीय मेला घोषित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आने वाला गोविंद साहब मेला राजकीय मेले के रूप में आयोजित होगा। घोषणा होते ही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने खुशी जताई। बताते चलें कि गोविंद साहब का मेला लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान रहा है। राजकीय मेला घोषित होने के बाद इसके आयोजन और व्यवस्थाओं को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। इस घोषणा से मेले के विकास और सुविधाओं के विस्तार का रास्ता खुलने की संभावना है।

2025 में 10 हजार से अधिक सर्जरी कर बनाया रिकॉर्ड, इस वर्ष के लक्ष्य में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली ने वर्ष 2025 में दस हजार से ज्यादा सर्जरी कर रिकॉर्ड बनाया है। इसमें सर्वाधिक हेपेटो-पैन्क्रियाटिको-बिलियरी संबंधी ऑपरेशन किए गए। अच्छी बात यह रही कि सभी तरह की सर्जरी के दौरान मृत्यु दर 0.3 फीसदी रही। सर्जरी के लिए भर्ती होने वालों में सबसे ज्यादा महिला शामिल रहीं। एम्स ने सर्जरी के लिए वर्ष 2021 में सर्जरी ब्लॉक की शुरुआत हुई थी। मरीजों की रोबोट से लेकर लेप्रोस्कोपी और ओपन सर्जरी की गई। सर्जरी के रिकॉर्ड को लेकर एम्स में बुधवार को प्रेस वार्ता की गई। एम्स के सर्जिकल डिसिप्लिन्स विभाग प्रमुख डॉ. सुनील चुंबर ने कहा कि एक साल में दस हजार से अधिक सर्जरी प्रभावी ढंग से लागू की गई सशक्त जन स्वास्थ्य नीति का ठोस परिणाम है। इलेक्टिव सर्जरी के बाद मृत्यु दर 0.3 फीसदी और आपातकालीन सर्जरी के बाद मृत्यु दर 7.89 रही। यह आंकड़े यूरोप या उत्तरी अमेरिका के किसी भी सर्वश्रेष्ठ अस्पताल के बराबर हैं। डॉ. हिमांग कुमार ने बताया कि इन दस हजार सर्जरी में 50 फीसदी से ज्यादा ओपन सर्जरी की गई, जबकि लेप्रोस्कोपी के माध्यम से 41.2 फीसदी और रोबोट के जरिए 8.1 फीसदी सर्जरी हुई। ब्यूरो डॉ. सुनील ने कहा कि सर्जरी में एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ. गंगा प्रसाद की टीम का सबसे अधिक योगदान रहा है। बिना उनकी टीम के सर्जरी करना संभव नहीं है। एम्स में सर्जरी को समर्पित ब्लॉक की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। भविष्य में 8 की जगह इनकी संख्या 12 करने की तैयारी है। अगले साल से इंटेस्टाइन ट्रांसप्लांट की योजना भी है। साथ ही 15 हजार सर्जरी करने का लक्ष्य भविष्य के लिए रखा गया।

दिल्ली में दो विदेशी नागरिकों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के डाबड़ी इलाके में रविवार शाम एक घर में दो नाइजीरियाई युवकों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को आशंका है कि दोनों की मौत नशे की ओवरडोज से या फिर दूषित खाना खाने से हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। मृतक की पहचान जोसफ और चिबिटर्न के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि रविवार शाम पुलिस को चाणक्य प्लेस स्थित ए-2/9, प्रथम तल पर कपड़े के गोदाम के पीछे एक इमारत में दो नाइजीरियाई नागरिकों के शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन करने के बाद क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किया। छानबीन के बाद पुलिस ने बताया कि मृतकों के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। जांच करने पर पता चला कि दोनों युवक बुराड़ी इलाके के रहने वाले थे। एक दिन पहले ही वह अपने एक परिचित हैनरी के पास आए थे जिसने मकान को किराये पर लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीडीयू मोर्चरी में रखवा दिया है।

खतरे में भारत के पुरुष:25 साल की उम्र में कमर दर्द को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। अगर 20-30 साल की उम्र में कमर या पीठ में लगातार दर्द रहता है, तो इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। स्वामी दयानंद (एसडीएन) अस्पताल ने कैस इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर मंगलवार को एक जागरूकता कार्यक्रम रुमो-ऑर्थो डॉक्टॉक का आयोजन किया। इसमें युवाओं में बढ़ रही रूमेटिक और ऑर्थोपेडिक बीमारियों पर चिंता जताई। कार्यक्रम में डॉक्टरों ने बताया कि कई रूमेटोलॉजिक बीमारियां कम उम्र में ही शुरू हो जाती हैं, लेकिन जानकारी की कमी के कारण लोग समय पर इलाज नहीं कराते। एसडीएन अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नरोत्तम दास ने कहा कि सही जानकारी और समय पर जांच गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोक सकती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि लगातार सिरदर्द को नजरअंदाज करने पर एक महिला में ब्रेन ट्यूमर पाया गया, लेकिन समय पर जांच से उसकी जान बच सकी। अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. गौरव शर्मा ने बताया कि सुबह के समय कमर में अकड़न, आराम करने पर दर्द बढ़ना और लंबे समय तक पीठ दर्द रहना एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस नाम की बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। यह बीमारी रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचा सकती है और भारत में यह पुरुषों में ज्यादा पाई जाती है। कैस इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने कहा कि इस तरह की बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में विशेषज्ञ डॉक्टरों और इलाज की सुविधा कई देशों की तुलना में ज्यादा आसानी से उपलब्ध है। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टरों ने साफ संदेश दिया कि लगातार दर्द को कभी नजरअंदाज न करें। समय पर डॉक्टर से सलाह लेने से न सिर्फ बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है, बल्कि जिंदगी की गुणवत्ता भी बेहतर बनाई जा सकती है।

NAME CHANGE
I, CHANCHAL GUPTA W/o Yogesh Kumar R/o H.No.43, 2nd floor, Near Park, Dayanand Vihar, Karkardooma, Delhi-110092, have changed my name to CHANCHAL GARG permanently.

NAME CHANGE
I, Hamid S/o Md Ali R/o House No.44/1Kh No.752, Right Portinn 2nd Floor Blk-Wz, Village Basai, Darapur, Kirti Nagar, Delhi-110015 have changed my name to Hamid Ali for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-14862439Y, Rank-SER (MT), Name-CHANDRASHEKHAR BS residing at ARMY COLLEGE, MHOW, MP-453441, have changed my mother's name BAGYAMMA to BHAGYAMMA for all future purposes vide Affidavit Dated 07/08/2026 before Notary Public, LUNIYAPURA, MHOW (MP).

NAME CHANGE
I MANJU GOYAL W/O MUKESH KUMAR R/O WARD 07, NR DR SETIA ,SAT NAGAR ,GOHANA Haryana-131301 Have Changed My Name To MANJU Permanently

NAME CHANGE
I, MOHD NAZIM MALIK S/O MOHAMMAD MANZOOR R/O HOUSE NO. 3098, 1ST FLOOR, KUCHA TARA CHAND, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMMAD NAZIM MALIK TO MOHD NAZIM MALIK FOR ALL PURPOSES.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री जगदीश कुमार और श्रीमती मोनिका (जो लोन लेना चाहते हैं) एक बना-बनाया फ्लैट खरीदना चाहते हैं। यह फ्लैट तीसरी मंजिल पर बाईं ओर है और इसके साथ छत के अधिकार भी हैं। प्रॉपर्टी का नंबर E-362 है और इसका एरिया 46.68 वर्ग मीटर है। यह प्रॉपर्टी खसरा नंबर 32 का हिस्सा है और खिचड़ी पुर गाँव के इलाके में, E-ब्लॉक, ईस्ट विनोद नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110091 में स्थित है। वे इसे श्रीमती चंद्रवती से खरीद रहे हैं, जिन्होंने यह प्रॉपर्टी श्रीमती गंगा बिष्ट द्वारा 26.07.2011 को जारी किए गए %इरिवोकेबल (अपरिवर्तनीय GPA) के ज़रिए खरीदी थी। बताया गया है कि यह प्रॉपर्टी सभी तरह के बोझ, देनदारियों, चार्ज, मॉर्गेज (गिरवी), दावों और किसी तीसरे पक्ष के अधिकारों से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि इस प्रॉपर्टी के लिए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाज़ियाबाद, U.P. से फाइनेंस (लोन) लेने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, हित, दावा, बंधक, प्रभार, न्यायालयीन वाद या अन्य कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर समस्त दस्तावेजी प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरी/वित्तीय संस्था के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है तथा बाद में प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, NO-14862439Y, Rank-SER (MT), Name-CHANDRASHEKHAR BS residing at ARMY COLLEGE, MHOW, MP-453441, have changed my father's name SHIVANNA GOWDA to SHIVANNAGOWDA B K for all future purposes vide Affidavit Dated 07/08/2026 before Notary Public, LUNIYAPURA, MHOW (MP).

NAME CHANGE
I, LAKSHMI S, Mother of No 2623172L, Rank-HAV, Name-PERUMAL S, residing at STREET NO- 94, BAJANAIKOVIL STREET, VILL-KUPPATHA MOTTUR, PO-AMMUNDI, THALUK- KATPADI, DIST- VELLORE, TAMIL NADU- 632519, have changed my name from LAKSHMI S to S LAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAMPATH M father No 2623172L, Rank-HAV, Name-PERUMAL S, residing at STREET NO- 94, BAJANAIKOVIL STREET, VILL-KUPPATHA MOTTUR, PO-AMMUNDI, THALUK- KATPADI, DIST- VELLORE, TAMIL NADU- 632519, have changed my name SAMPATH M to M SAMPATH for all future purposes vide Affidavit Dated 07/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIJAY GUPTA S/o Shiv Kumar Gupta R/o 21/48, Ground Floor, Shakti Nagar, Delhi-110007, have changed my name to VIJAY KUMAR GUPTA permanently.

NAME CHANGE
I, ISRAR AHMAD KHAN S/o Mohd Yar Khan R/o H.NO.151, H-Block, Dakshinpuri, Dr. Ambedkar Nagar, Delhi-110062, have changed my name to ISRAR AHMED permanently.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है दिव्याश (DIVYAANSH) उम्र लगभग 6 वर्ष, S/o महेश कुमार हमारा सगा बेटा है दिव्याश के SMC, OBC सटिफिकेट सगी नानी बीरो देवी की दादा लाई जमीन नाम हेतू उपरोक्त सूचना नोटिस है दिव्याश की सगी माँ निधि सहरावत, नानी बीरो देवी, नाना रणधीर सिहँ की मृत्यू हो चुकी है तीनो उपरोक्तो के मृत्यू प्रमाण पत्र MCD के on Record है दिव्याश, निधि सहरावत W/o महेश कुमार का इकलोता पुत्र है on Record है दिव्याश का जन्म प्रमाण पत्र, निधि सहरावत D/o रणधीर सिहँ, बीरो देवी W/o रणधीर सिहँ R/o गाँव दरियापुर कला, नई दिल्ली के मूल निवासी है । दिव्याश अपनी सगी नानी बीरो देवी की नाना लाई दादा लाई जमीन का वारिश है,(हम दोनो) दिव्याश S/o महेश कुमार R/o गाव - 22 गालिबपुर साउथ-वेस्ट दिल्ली-110073. (दादा-दादी) सुजानी W/o श्री भगवान S/o दलेल सिहँ ऋश Same गार्जियन (अभिभावक है) क्योकि दिव्याश का पिता महेश कुमार मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है। किसी को कोई objection हो, 30 दिन में आपत्ति दर्ज करा सकता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रोहतक और अंबाला को मिले नए उपायुक्त, हरियाणा सरकार ने दो आईएएस अधिकारियों के किए तबादले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए तत्काल प्रभाव से दो आईएएस अधिकारियों के तबादला एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आदेश जारी किए। जारी आदेश के अनुसार, प्रदीप दहिया, जो अब तक नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त एवं जिला नगर आयुक्त, गुरुग्राम के पद पर कार्यरत थे, को रोहतक का नया उपायुक्त नियुक्त किया गया है। वहीं, सचिन गुप्ता, जो रोहतक के उपायुक्त के साथ-साथ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी), रोहतक के प्रशासक तथा अतिरिक्त निदेशक, अर्बन एस्टेट्स, रोहतक का कार्यभार भी संभाल रहे थे, को अंबाला का नया उपायुक्त नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारियों की नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुन उपायुक्त ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

तावडू। उपायुक्त अखिल पिलानी ने लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार की जनहितकारी पहल है, जिसके माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि वीरवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में कुल 08 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 शिकायत का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं उपमंडल स्तर पर फिरोजपुर झिरका में 02 शिकायतें, पुन्हाना में 01 शिकायत तथा तावडू में 01 शिकायत प्राप्त हुई। तावडू में प्राप्त शिकायत का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का पूरी संवेदनशीलता, गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ निस्तारण किया जाए। किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं के साथ सकारात्मक संवाद बनाए रखें तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे आईएएस अजय सिंह तोमर

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अंबाला के उपायुक्त आईएएस अधिकारी अजय सिंह तोमर की सेवाएं भारत सरकार को सौंप दी हैं। उनकी नियुक्ति नई दिल्ली स्थित कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में निदेशक के पद पर होने के बाद यह निर्णय लिया गया है। इस संबंध में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

कॉमनवेल्थ खिलाड़ियों का सम्मान समारोह रद्द

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सात अगस्त को पंचकूला में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ खिलाड़ियों का सम्मान समारोह रद्द कर दिया है। इस कार्यक्रम के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं।बताया जा रहा है कि देश के सभी कॉमनवेल्थ विजेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात शुक्रवार को होगी। प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम होने के चलते हरियाणा सरकार ने सम्मान समारोह को स्थगित कर दिया है। अब दोबारा इस कार्यक्रम का ऐलान किया जाएगा। हरियाणा के खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। हरियाणा सरकार की तरफ से इन खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह के आयोजन का ऐलान किया गया था। पंचकूला में सम्मान समारोह के बाद सभी खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चंडीगढ़ आवास पर रात्रि भोज भी दिया जाना था।

कर्मचारी की ओल्ड पेंशन पर तीन माह में फैसला करे सरकार: हाई कोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने अनुकंपा आधार पर नियुक्त कर्मचारी की पुरानी पेंशन योजना (ओल्ड पेंशन स्कीम-ओपीएस) का लाभ देने संबंधी मांग पर हरियाणा सरकार को तीन महीने के भीतर कारण युक्त (स्पीकिंग) आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि संबंधित प्राधिकारी याचिकाकर्ता को सुनवाई का अवसर देने के बाद उसके कानूनी नोटिस पर तय समयसीमा में निर्णय ले और यदि वह राहत का पात्र पाया जाता है तो उसे तत्काल लाभ प्रदान किया जाए। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने यह आदेश राजेश कुमार की याचिका का निपटारा करते हुए पारित किया। याचिका में राजेश कुमार ने मांग की थी कि उसे नई पेंशन योजना (एनपीएस) के बजाय पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। उसका कहना था कि उसने मई-जून 2005 में, यानी नई पेंशन योजना लागू होने से पहले, अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन कर दिया था। नियुक्ति मिलने में हुई देरी उसकी वजह से नहीं हुई, इसलिए पेंशन योजना तय करने के लिए नियुक्ति की तारीख नहीं बल्कि आवेदन की तारीख को आधार बनाया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि पंजाब सरकार ने 22 मई 2025 की अधिसूचना तथा केंद्र सरकार ने 22 जून 2026 की अधिसूचना जारी कर अनुकंपा आधार पर नियुक्त कर्मचारियों को आवेदन की ।

राइस मिलर्स को दिया जाएगा 30 जून 2025 तक का बोनस: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) डिलीवरी के संबंध में राइस मिलर्स तथा अधिकारियों के साथ की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने राइस मिलर्स को 30 जून 2025 तक का बोनस देने की घोषणा करते हुए मिलर्स की अन्य सभी समस्याओं का भी प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का भरोसा दिलाया। इस पर राइस मिलर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हरियाणा निवास में राइस मिलर्स एसोसिएशन के साथ बैठक कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने राइस मिलर्स के साथ कस्टम मिल्ड राइस डिलीवरी व भंडारण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता तथा खाद्य आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन भी मौजूद थे।

बैठक में राइस मिलर्स ने बताया कि भारत सरकार ने अब और अधिक चावल की डिलीवरी लेने से मना कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस संबंध में केंद्र सरकार से बातचीत कर समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने हरियाणा के लिए 55 लाख मीट्रिक टन चावल खरीद का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इस बार हरियाणा में धान का उत्पादन उम्मीद से अधिक हुआ है जोकि खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मिलर्स की इस समस्या के समाधान

के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिख दिया है और इस संबंध में कल भारत सरकार के साथ मीटिंग भी की जानी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर समस्या के समाधान के लिए मिलर्स के साथ खड़ी है। राइस मिलर्स ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा मिलर्स को 2024-25 की 15 मार्च तक की बोनस राशि दी जा चुकी है। मिलर्स ने 30 जून 2025 तक का बोनस देने का अनुरोध भी मुख्यमंत्री के समक्ष किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बोनस का प्रावधान निर्धारित तिथि तक चावल की डिलीवरी करने वाले मिलर्स के लिए किया गया था लेकिन राइस मिलर्स के समक्ष आने वाली चुनौतियों को देखते हुए उन्होंने 30 जून 2025 तक का बोनस भी राइस मिलर्स को देने की घोषणा की। इस पर राइस मिलर्स ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

राइस मिलर्स ने चावल की डिलीवरी के लिए गोदामों की कमी की समस्या को भी मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाते हुए भंडारण क्षमता बढ़वाने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अलग-अलग एजेंसियों को पहले ही भंडारण क्षमता में बढ़ोतरी करने के आदेश दिए जा चुके हैं। सरकार द्वारा बड़े वेयर हाऊस तथा बिग साइलोज बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही प्रदेश में भंडारण के लिए गोदामों की कमी की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा।

10 से 12 अगस्त को होगी हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए सभी जिलों में स्थापित किए गए बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन केन्द्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित गत 4 व 5 जुलाई, 2026 को आयोजित करवाई गई हरियाणा अध्यापक पात्रता (एचटेट) परीक्षा-2025 का परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जा रहा है। परीक्षा परिणाम घोषित होने से पूर्व अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन (Biometric Verification) होनी अनिवार्य है। अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश के 22 जिलों में 10 से 12 अगस्त, 2026 तक बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन प्रक्रिया पूर्ण करवाने हेतु केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

बोर्ड के अध्यक्ष श्री शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि उक्त के अतिरिक्त अन्य राज्यों से संबंधित अभ्यर्थी अपने साथ लगते जिला मुख्यालय पर पहुंचकर अपनी बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि विशेष परिस्थितियों में अभ्यर्थी 22 जिलों में स्थापित केन्द्रों में से किसी भी केन्द्र पर जाकर यह प्रक्रिया पूर्ण कर सकता है। अभ्यर्थी द्वारा अपना मूल प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) एवं मूल फोटो युक्त पहचान पत्र लेकर जाना अनिवार्य है। उन्होंने

धूपड़ ने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के समय दिए गए पंजीकृत मोबाईल नंबर/ई-मेल पर भी इस आशय का संदेश भेजा जा रहा है।

बताया कि प्रदेश के 22 जिलों में जहां वेरीफिकेशन होनी है, उन विद्यालयों की सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर उपलब्ध है। धूपड़ ने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के समय दिए गए पंजीकृत मोबाईल नंबर/ई-मेल पर भी इस आशय का संदेश भेजा जा रहा है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक से पंजीकरण संख्या व जन्म तिथि से अपनी बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन की स्थिति जांच सकते है। जो अभ्यर्थी 10 से 12 अगस्त, 2026 तक अपनी बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन प्रक्रिया पूर्ण नहीं करते हैं, उनका परिणाम घोषित नहीं किया जाएगा।

पलवल में देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ मनाया जाएगा आजादी का जश्न : उपायुक्त

नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में होगा 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने 15 अगस्त को पलवल जिला मुख्यालय पर मनाए जाने वाले 80वें जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ भव्य व गरिमामयी ढंग से मनाने के लिए जिला सचिवालय सभागार में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जिम्मेदारियां सौंपीं। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन पलवल स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश के आजादी के राष्ट्रीय जश्न में गरिमामयी उत्कृष्ट व बेहतरीन कार्यक्रमों का चयन किया जाए। उपायुक्त डा. छिल्लर ने निर्देश देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम देशभक्ति और राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत होने के साथ-साथ प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हों। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं समन्वय से स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि पलवल जिला मुख्यालय सहित उपमंडल होडल और हथीन में भी उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामयी व भव्य तरीके से मनाया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित योगा, मलखंब आदि अन्य गतिविधियों को भी शामिल करें और तैयारियों पर विशेष ध्यान दें ताकि दर्शक समारोह के दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत और मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस 13 अगस्त को आयोजित होगी।

उपायुक्त ने कहा कि तहसीलदार पलवल स्टेज प्रबंधन के ऑवर ऑल इंचार्ज होंगे तथा वे प्रोपर स्टेज सीटिंग प्लान बनाते हुए यह सुनिश्चित करेंगे की स्टेज पर केवल चयनित डिगनिटरिज, स्वतंत्रता सेनानी, शहीदों के परिजन ही बैठें। उन्होंने कहा कि जिला से संबंधित सभी स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों की पहचान कर उन्हें समारोह के लिए ससम्मान आमंत्रित करें।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर जागरूकता अभियान चलाएं अधिकारी: डीसी वर्षा खांगवाल

डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों की बैठक में की योजना की समीक्षा

एजेंसी

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने पीएम सूर्य घरमुफ्त बिजली योजना के क्रियांवयन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता यशवीर सिंह ने योजना से जुडी जानकारी दी। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त योजना न केवल उपभोक्ताओं के बिजली बिल में राहत देने में मददगार साबित हो रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए जिला को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने में कारगर है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश

दिए कि योजना के बेहतर क्रियांवयन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। पात्र लाभार्थियों के ऑनलाइन आवेदन समय पर पूरे करवाए जाएं,सब्सिडी, इंस्टॉलेशन व निरीक्षण से संबंधित प्रक्रियाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इस बीच बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार ने डीसी वर्षा खांगवाल को योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में 2 किलो वाट तक अधिकतम 60 हजार और तीन किलोवाट तक 78 हजार रुपये प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यह सहायता उन परिवारों के लिए है जिनकी पिछले वित्त वर्ष में बिजली खपत 24 सो यूनिट रही हो। इसके अलावा अंत्योदय परिवारों को भी योजना में शामिल किया गया है। ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख तक है ,उन्हें प्रति किलोवाट 25 हजार रुपये और अधिकतम 2 किलोवाट तक सहायता प्रदान की जाती है। वहीं श्रेणी दो में ऐसे परिवारों को रखा गया है जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1.80 लाख से 3 लाख रुपये तक है,उन्हें 10 हजार रुपये प्रति किलोवाट (अधिकतम 2 किलोवाट तक) की सहायता का प्रावधान रखा गया है। अंत्योदय परिवारों के लिए 2 किलोवाट तक केंद्रीय और राज्य सहायता मिलाकर अधिकतम 1 लाख 10 हजार रुपये राशि निर्धारित की गई है। पीएम सूर्य घर योजना के लिए बैंकों द्वारा प्रतिवर्ष 6 प्रतिशत (0.5 प्रतिशत प्रति माह) ऋण सुविधा द्वारा प्रदान की जाती है।

'राज्य स्तरीय हाफ मैराथन 2026' 9 अगस्त को नारनौल में

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के 'हरियाणा उदय अभियान' के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ (नारनौल) द्वारा 'राज्य स्तरीय हाफ मैराथन 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन को लेकर हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश के युवाओं, खिलाड़ियों और समस्त नागरिकों से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल एक मैराथन दौड़ नहीं है, बल्कि युवाओं को नशे की गंभीर समस्या से दूर रखने और एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाला एक महा-अभियान है। यह राज्य स्तरीय हाफ मैराथन आगामी 9 अगस्त, 2026 (रविवार) को प्रातः 07:00 बजे आयोजित की जाएगी। इस बार दौड़ की शुरुआत के लिए नूनी शेखपुरा - सेक्टर मोड़ (नारनौल-महेंद्रगढ़ रोड) को नया स्टार्टिंग पॉइंट बनाया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे और हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर को ध्यान में रखते हुए इस मैराथन की विशेष थीम 'हर घर तिरंगा' रखी गई है।प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए जिला प्रशासन द्वारा आकर्षक नकद पुरस्कार एवं सम्मान की व्यवस्था की गई है। इसमें 10 किलोमीटर दौड़ की महिला एवं पुरुष दोनों श्रेणियों के लिए प्रथम पुरस्कार 1,00,000, रुपये द्वितीय पुरस्कार 50,000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 25,000 रुपये तय किया गया है।

सभी विभाग प्रत्येक विकास परियोजना में आपदा की तैयारी को शामिल करें : डॉ. सुमिता मिश्रा

15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट दें

एजेंसी

चंडीगढ़। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने हरियाणा को आपदा-रोधी बनाने के लिए सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे सरकारी परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें लागू करने और बजट बनाने के हर चरण में आपदा जोखिम को कम करने के उपायों को शामिल करें। इस कदम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आपदा की तैयारी शासन का एक अहम हिस्सा बने, न कि आपदा के बाद की प्रतिक्रिया। आपदा प्रबंधन के लिए भारत सरकार के अनुरूप निर्देश जारी करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि सभी विभागों को आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशानिर्देशों के

अनुसार आपदा रोकथाम और बचाव के उपायों को मुख्यधारा में लाना चाहिए। डॉ. मिश्रा ने विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि हर नई और पहले से चल रही विकास परियोजना में योजना के प्रथम चरण से ही आपदा-रोधी क्षमता को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने विभागों से आपदा प्रबंधन गतिविधियों के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान करने को भी कहा है, क्योंकि वे मानती हैं कि तैयारी और रोकथाम ही लोगों की जान, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए अहम हैं। इसे तेज़ी से लागू करने के लिए, सभी विभागों को आपदा प्रबंधन के लिए खास नोडल अधिकारी नियुक्त करने और 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (ॠत्रक्र) जमा करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें शुरू किए गए रोकथाम और बचाव के उपायों का विवरण हो। इन रिपोर्टों को राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा इकट्ठा करके भारत सरकार को सौंपा जाएगा। डॉ मिश्रा ने सभी स्तरों पर अधिकारियों को जागरूक करने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया ताकि आपदा जोखिम को कम करना विभागीय कामकाज का एक अहम हिस्सा बन सके। उम्मीद है कि इस पहल से विभागों के बीच तालमेल मज़बूत होगा और बाढ़, लू, तूफ़ान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राज्य की तैयारी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की इस पहल के ज़रिए प्रदेश को आपदाओं का सामना करने की क्षमता से सुसज्जित बनाना है। इससे यह पक्का किया जाएगा कि अलग-अलग सेक्टर में चल रहे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट न सिर्फ़ तरक्की पर केंद्रित हों, बल्कि भविष्य में आने वाली प्राकृतिक और मौसम से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम हों।

अधिकारी नागरिकों की समस्याओं का समय पर करें उचित निपटारा : उपायुक्त सचिन गुप्ता

सचिन गुप्ता ने कहा है कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समयबद्ध निपटारे के प्रति कृत संकल्प है।

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि समाधान शिविरों में प्राप्त हर शिकायत का समयबद्ध एवं उचित निपटारा सुनिश्चित किया जाये। अधिकारी नागरिकों की समस्याओं का निपटारा करते समय संबंधित नागरिक से संवाद कर विभागीय कार्यवाही की जानकारी देकर उन्हें संतुष्ट करें।

सचिन गुप्ता ने कहा है कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समयबद्ध निपटारे के प्रति कृत संकल्प है। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश जारी किये गए है कि वे समाधान शिविरों की हर शिकायत का समयबद्ध एवं उचित निपटारा करें ताकि नागरिकों की समस्याएं दूर हो सके। समाधान शिविरों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी विभागों से

संबंधित शिकायतों का एक छत के नीचे निर्धारित अवधि में उचित समाधान करना है। जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों की शिकायतों के निपटारे की निरंतर समीक्षा की जा रही है।उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा है कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर हर सोमवार एवं वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। इन शिविरों में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं के निपटारे के लिए मौके पर आवश्यक कार्यवाही कर रहे है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों का फीडबैक जानने के लिए कॉलिंग सेल भी स्थापित की गई है। उपायुक्त सचिन गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर में उपमंडलाधीश आशीष कुमार तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने समस्याएं सुनने के दौरान मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इन समस्याओं का निर्धारित अवधि में उचित निपटारा करवाये। उन्होंने समाधान शिविरों की शिकायतों के निपटारे की समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित विभाग लंबित शिकायतों का तुरंत निपटारा करवाये तथा उचित रिपोर्ट भी भिजवाये। इस अवसर पर संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों के अलावा भाजपा के प्रतिनिधियों में सतीश चौधरी एवं एडवोकेट डॉ. अंकुश बिड्डू मौजूद रहे। उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित विभाग स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप करवाये ताकि भव्य समारोह आयोजित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन व रिहर्सल के लिए शिक्षा विभाग द्वारा कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि इस समारोह के लिए पर्याप्त रिहर्सल करवाई जाये। सभी संबंधित विभाग जिला प्रशासन द्वारा सौंपी गई जिम्मेवारियों को समय पर पूर्ण करवाये।

कंडम भवनों में कक्षाएं लगाने पर रोक, निरीक्षण रिपोर्ट हर माह एडीसी कार्यालय भेजने के निर्देश

एजेंसी

कैथल। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) डॉ. सुशील कुमार ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्कूलों के निरीक्षण के दौरान केवल औपचारिकता न निभाई जाए, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं और व्यवस्थाओं का गंभीरता से मूल्यांकन किया जाए। गुरुवार को उन्होंने कहा कि सभी का लक्ष्य सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बेहतर बनाना होना चाहिए।गकुरुवार को लघु सचिवालय के सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जाए और उसकी रिपोर्ट प्रत्येक माह अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में भेजी जाए। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले एबीआरसी और बीआरपी के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा एक दिन का वेतन काटने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में एडीसी ने रामगढ़ पांडवा और जटहेड़ी के सरकारी स्कूलों में बिजली कनेक्शन जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं वजीरनगर, कैलरम और नरवलगढ़ के विद्यालयों में फर्नीचर उपलब्ध कराने तथा भागल स्कूल में जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करने को कहा। उन्होंने सभी सरकारी स्कूलों में बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। डॉ. सुशील कुमार ने ग्योंग, गढ़ी पाड़ला, पट्टी डोगर, सिसला-सिसमौर, ढांड और कौल के कंडम घोषित भवनों की नीलामी कर नए भवन निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कंडम भवन में कक्षाएं नहीं लगाई जाएं तथा ऐसे भवनों के चारों ओर कांटेदार तार लगाकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) को विषयवार शिक्षकों की पहचान कर आवश्यक प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए।

वैश्विक तनाव के बीच भी सोना 497 रुपए चढ़ा, चांदी भी 2,157 रुपए उछली

सोना 1,49,457 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,28,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और चीन के संस्थागत निवेशकों की बढ़ती खरीददारी से सुरक्षित निवेश के रूप में सोना और चांदी आकर्षक बने हुए हैं। शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में शुक्रवार को इन धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर वायदा भाव 599 रुपये की मजबूती के साथ 1,49,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में यह 1,49,554 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी का सितंबर वायदा 2,164 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसने 2,28,095 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ। यह उछाल वैश्विक रुझानों और घरेलू मांग दोनों का परिणाम है, जिससे दोनों धातुएं इस साल अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर के करीब पहुंच रही हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना शुक्रवार को 4,320 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 19 डॉलर से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं चांदी भी 0.86 डॉलर की तेजी के साथ 62.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक स्थिरता की तलाश में निवेशक लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा इन कीमती धातुओं को मिल रहा है। चीन के संस्थागत निवेशकों द्वारा गोल्ड-समर्थित परिसंपत्तियों में बढ़ती दिलचस्पी और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी भी सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती प्रदान कर रही है।

आरबीआई का निर्देश- कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे। हालांकि, यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी। आरबीआई ने यह कदम कर्ज वसूली और रिकवरी एजेंसियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों के उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार की बढ़ती शिकायतों के बाद उठाया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 65 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर टूटे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंक टूटकर 78,499.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 65.35 अंक फिसलकर 24,570.65 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स के केवल 14 शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बचे हुए 16 शेयर गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी 50 की भी 50 में से 24 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ लाभ पर बंद हुए और शेष सभी 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये।आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा समूह की आईटी कंपन टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.53 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस के शेयरों में आज सबसे अधिक गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा,

एसबीआई सहित कई कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा, भारतीय स्टेट बैंक , टेक महिंद्रा, बीईएल, इन्फोसिस और एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही। दूसरी ओर सप्ताह के अंतिम दिन बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील , एचडीएफसी बैंक, अडाणी पोर्ट्सके शेयरों में गिरावट रही।

फाइब की प्रबंधित परिसंपत्तियां 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ पहुंचीं

व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण से मिली बढ़त

नई दिल्ली ।

डिजिटल ऋण मंच फाइब, जिसने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं, ने अपनी प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है। कंपनी के डीआरएचपी के अनुसार मार्च 2026 तक इसकी एयूएम 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण कारोबार का प्रमुख योगदान होगा। दस्तावेजों से पता चलता है कि फाइब की एयूएम में पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

मार्च 2024 में 4,064 करोड़ रुपये से बढ़कर यह मार्च 2025 में 5,268 करोड़ रुपये हो गई और मार्च 2026 तक 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कुल प्रबंधित परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत ऋण की हिस्सेदारी 6,657 करोड़ रुपये (77 प्रतिशत) रही, जबकि उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण का आकार 1,946 करोड़ रुपये था। फाइब का उद्देश्य आधारित वित्तपोषण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बीमा, यात्रा, ई-कॉमर्स और छत पर सौर ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैला है। कंपनी ने जून में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

एयरलाइन ने यात्रियों की निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अे धिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया। 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत, सदस्य पात्र उड़ानों के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर भी अंक अर्जित कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इसे ग्राहकों को अधिक मूल्य और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी अे धिकारी ने अकासा एयर को 'अनुभव आधारित विमानन सेवा' करार देते हुए कहा, हमने अपने ग्राहकों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मेहनत की है। ऐसे में ग्राहक लॉयल्टी कार्यक्रम की शुरुआत उनके प्रति आभार व्यक्त करने का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि तीसरे वर्ष में प्रवेश के साथ उनका ध्यान अनुशासित वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहकों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहेगा।

त्योहारी सीजन में महंगा होगा घर-गाड़ी खरीदना

तांबा, एल्युमीनियम जैसी प्रमुख धातुओं के दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारी सीजन में घर और वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है।

वैश्विक बाजारों में औद्योगिक धातुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के चलते टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और नई गाड़ियों के दाम बढ़ने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति संकट के कारण तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और निकल जैसी औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ता उत्पादों पर पड़ेगा। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का औसत भाव 1.8 फीसदी उछलकर 14,369.50 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो जनवरी के बाद सबसे अधिक है। भारत में भी तांबे के दाम 2.56 फीसदी बढ़कर 1304.90 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जबकि एक महीने पहले यह 1187.85 रुपये प्रति किलोग्राम था। एल्युमीनियम में भी पांच फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। कांगो द्वारा कॉपर और कोबाल्ट कंसंट्रेट के निर्यात पर प्रतिबंध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में बाधा, और साल की शुरुआत से जिंक के वेयरहाउस स्टॉक में 75 फीसदी की भारी गिरावट ने कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा सेंटरों और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण अमेरिका और चीन द्वारा तांबे की अंधाधुंध खरीदारी और जमाखोरी भी प्रमुख वजहों में से एक है। घरेलू उपकरणों और वाहनों के निर्माण में तांबा, स्टील और एल्युमीनियम जैसे धातु मुख्य कच्चे माल होते हैं। इन धातुओं की बढ़ती कीमतें सीधे विनिर्माण लागत को बढ़ाती हैं, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों को वहन करना पड़ेगा।

युवाओं की मानसिक सेहत बिगाड़ने पर मेटा पर लगा 5,000 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको कोर्ट का कड़ा फैसला; कंपनी को बच्चों के यौन शोषण की जानकारी छिपाने का भी दोषी पाया गया

सैन फ्रांसिस्को ।

सोशल मीडिया दिग्गज मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) को न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने युवाओं की मानसिक सेहत को पहुंचाए गए नुकसान के लिए 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपए) का भुगतान करने का कड़ा आदेश दिया है। यह फैसला उस बहुचर्चित मुकदमे का हिस्सा है जिसमें मेटा को मार्च में करारी हार का सामना करना पड़ा था। न्यायाधीश ब्रायन बीडशाइड ने अपने फैसले में कहा कि इस राशि का बड़ा हिस्सा, यानी 42 करोड़ डॉलर, युवाओं के उपचार से जुड़ी सेवाओं पर खर्च किया जाएगा। शेष राशि अगले पांच वर्षों के दौरान जागरूकता, रोकथाम, जांच सेवाओं और अन्य संबंधित खर्चों पर लगाई जाएगी। अदालत ने मार्च में मुकदमे के पहले चरण में मेटा पर 37.5 करोड़ डॉलर का दीवानी जुर्माना भी लगाया था। उस समय, अदालत ने माना था कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया और अपने मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित उपलब्ध जानकारी को छिपाया। हालांकि अभियोजकों द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद, अदालत ने मेटा के कामकाज में बुनियादी बदलावों जैसे लत लगाने वाले फीचर पर अंकुश लगाने या उम्र के सत्यापन की व्यवस्था में सुधार का आदेश देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बाल ऑनलाइन निजता संरक्षण अधिनियम के कारण वह मेटा को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आयु सत्यापन उपकरण लागू करने या निजी जानकारी एकत्र करने का आदेश नहीं दे सकती। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इसे केवल एक कंपनी पर थोपना अनुचित बताया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की तेजी के साथ ही 95.03 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.28 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार आयातकों की डॉलर मांग और रुपये में आई मजबूती के बाद मुनाफावसूली के दबाव से रुपये पर प्रभाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.28 प्रति डॉलर तक फिसल गया।

यह पिछले बंद भाव की तुलना में छह पैसे फिसला। वहीं रुपया गुरुवार को 14 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 99.95 पर पहुंच गया।

डिजिटल क्रांति में भी एलआईसी के एजेंटों का दबदबा कायम

नए व्यक्तिगत कारोबार में एजेंटों की हिस्सेदारी 93 फीसदी से अधिक

नई दिल ली ।

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के लिए उसके एजेंट आज भी कारोबार की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। जहां अन्य कंपनियां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोर दे रही हैं, वहीं एलआईसी के नए व्यक्तिगत कारोबार का 93 फीसदी से अधिक हिस्सा अब भी उसके 14.5 लाख एजेंटों के जरिए ही आ रहा है, जो तकनीक के दौर में भी मानवीय संपर्क की अहमियत दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एलआईसी के इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में एजेंसी चैनल की हिस्सेदारी बढ़कर 93.1 फीसदी हो गई। एजेंटों के जरिए आने वाला नया प्रीमियम भी एक साल में 15 फीसदी बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार एले आईसी के पास करीब 14.5 लाख एजेंट हैं, जिनमें से 53 फीसदी पांच साल से अधिक समय से कंपनी के साथ हैं। एजेंटों की संख्या मामूली घटने के बावजूद, कंपनी अब उनकी ट्रेनिंग और काम की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दे रही है।

इसके विपरीत, बैंक एश्योरेंस से आने वाला इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम एक साल में 9 फीसदी घटा है, और डायरेक्ट चैनल से भी कारोबार में 13 फीसदी की गिरावट आई है। ब्रोकर चैनल में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एलआईसी डिजिटल प्लेटफॉर्म आनंदा ऐप के जरिए पॉलिसियों की हिस्सेदारी बढ़ने पर भी काम कर रही है, जो अब 14.1 फीसदी हो गई है। कंपनी का मानना है कि डिजिटल उपकरण एजेंटों के काम को आसान बनाने और उन्हें सशक्त करने का माध्यम बनेंगे, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करने का।

कच्चे तेल में तेजी, ब्रेंट 83 डॉलर के पार

होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता से बढ़ी आपूर्ति चिंता

नई दिल ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड अक्टूबर वायदा 1.22 फीसदी बढ़कर 83.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई सितंबर वायदा 1.01 फीसदी की बढ़त के साथ 78.07 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। इस तेजी की मुख्य वजह मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं। बाजार की नजर विशेष रूप से रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और जहाजों की आवाजाही में संभावित बाधा की आशंका ने आपूर्ति प्रभावित होने का डर पैदा किया है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता भी कीमतों में जोखिम बढ़ा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न होने से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकरों पर हमलों की खबरों ने भी आपूर्ति संबंधी चिंताओं को बल दिया है, जिससे प्रमुख समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से ढुलाई लागत बढ़ने और देरी होने की आशंका है।

कच्चे तेल की आगे की चाल काफी हद तक मध्य पूर्व के घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। यदि अमेरिका-ईरान वार्ता में ठोस प्रगति होती है या होर्मुज में सामान्य आवाजाही के संकेत मिलते हैं तो कीमतों पर दबाव आ सकता है। वहीं, तनाव बढ़ने या नई आपूर्ति बाधा की खबर आने पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में और तेजी आ सकती है। फिलहाल, आपूर्ति से जुड़ा जोखिम वैश्विक बाजार में कीमतों को लगातार सहारा दे रहा है।

आरबीआई का नया फ्रेमवर्क- अब लोन वसूली होगी ज़्यादा पारदर्शी और जिम्मेदार

1 जनवरी 2027 से लागू होंगे नए नियम; बैंकों को विस्तृत पॉलिसी बनानी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कमर्शियल बैंकों द्वारा लोन रिकवरी को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए नया व्यापक फ्रेमवर्क जारी किया है।

1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले ये नियम रिकवरी एजेंटों पर सख्ती, उधार लेने वालों की सुरक्षा के बेहतर उपाय और टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी सिस्टम पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

यह केवल कमर्शियल बैंकों पर लागू होगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एक विस्तृत रिकवरी पॉलिसी बनानी होगी, जिसमें रिकवरी शुरू करने की शर्तें और नियमों के उल्लंघन पर मुआवजे जैसे बिंदु स्पष्ट हों। रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति से पहले जांच और एजेंटों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) या आरबीआई मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रमाणन अनिवार्य है। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर रिकवरी एजेंसियों की अपडेटेड सूची प्रकाशित करनी होगी। कर्जदारों को एजेंट के पहली बार मिलने से एक दिन पहले सूचना देनी होगी।

एजेंटों के पास पहचान पत्र और ऑथराइज़ेशन लेटर ज़रूरी होगा; वे सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। गाली-गलौज, धमकी, अत्यधिक कॉल, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर जानकारी उजागर करना सख्त वर्जित है।

शोक या मेडिकल इमरजेंसी जैसे संवेदनशील मौकों पर संपर्क से बचना होगा।

टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी में बैंक उधार लेने वाले के मोबाइल फ़ोन को दूर से तभी बंद कर सकते हैं, जब लोन उसी डिवाइस के लिए हो और वह भी 30 या 60 दिनों की देरी के बाद। आवश्यक सेवाओं को ब्लॉक नहीं किया जा सकता। गलत तरीके से डिवाइस ब्लॉक करने पर बैंक को प्रति घंटे 250 रुपए का मुआवजा (अधिकतम लोन राशि तक) देना होगा। बैंकों को शिकायत निवारण प्रणाली भी बनानी होगी।

दमदार बिक्री के बावजूद हीरो मोटोकॉर्प का लाभ 16.86 फीसदी गिरा

पिछले साल के एकमुश्त लाभ के कारण शुद्ध मुनाफा प्रभावित

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंसॉलिडेटेड शुद्ध लाभ में 16.86 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का पीएटी घटकर 1,417.93 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,705.65 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस गिरावट की मुख्य वजह पिछले साल के ऊंचे आधार और 722 करोड़ रुपए के एकमुश्त लाभ को बताया है, जो सहयोगी कंपनियों में निवेश की हिस्सेदारी कम होने से मिला था। हालांकि, मुनाफे में कमी के बावजूद, हीरो मोटोकॉर्प ने ऑपरेशंस से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 13,126.35 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 9,727.75 करोड़ रुपये था, यानी लगभग 35फीसदी की बढ़ोतरी। इस तिमाही में कंपनी ने 16.77 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 23 फीसदी अधिक है।

कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी के कुल खर्च में भी तेज वृद्धि हुई, जो 11,621.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीरो मोटोकॉर्प के एक अे धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूत रफ्तार के साथ हुई है, जिसमें प्रीमियम, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम्प्यूटर सेगमेंट के साथ-साथ वैश्विक कारोबार में भी व्यापक वृद्धि देखी गई। कंपनी के पार्ट्स, एक्सेसरीज और मर्चेंडाइजिंग कारोबार से राजस्व पहली तिमाही में 1,689 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 30 फीसदी अधिक है।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ्रसंवाद से समाधान्न का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्त्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर रू.10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत : इन बच्चों को रू.5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को रू4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

अगस्त क्रांतिः जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा...

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी। भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार है, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसे में पांच की मौत

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में स्टुअर्ट हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 12 :50 बजे दो वाहनों की आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन आग की लपटों में घिर गए और पूरी तरह जल गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक यूटिलिटी वाहन गलत लेन में चला गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया।हादसे में यूटिलिटी चला रहे 23 वर्षीय युवक, उसके 36 वर्षीय पुरुष साथी और 32 व 23 वर्षीय दो महिला यात्रियों सहित वैन में सवार 69 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने मदद की कोशिश की, लेकिन आग और क्षति के कारण किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं निकाल सके। पुलिस के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे से पहले यूटिलिटी वाहन तेज रफ्तार में था और खतरनाक तरीके से ओवरटेक कर रहा था। डिटेक्टिव सीनियर सार्जेंट माइकल शूमाकर ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों और पूरे समुदाय को गहरा सदमा पहुंचाया है। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य के केर्न्स शहर में चोरी की गई एक यूटिलिटी वाहन की टक्कर से एक 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

श्रीलंका में चक्रवात राहत के लिए भारत देगा 33.27 अरब

कोलंबो, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत और श्रीलंका के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को कोलंबो पहुंचे।उन्होंने एक दिवसीय यात्रा में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात कर हाल में आए चक्रवात दित्वाह से हुए नुकसान और उसके बाद राहत व पुनर्निर्माण के कामों पर भी बातचीत की। दोनों नेताओं ने 33.27 अरब रुपये के आसान कर्ज यानी लाइन ऑफ क्रेडिट के समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह राशि भारत के उस 42.78 खरब रुपये के पैकेज का हिस्सा है, जिसे चक्रवात के बाद श्रीलंका की मदद के लिए घोषित किया गया था।इस पैसे का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास और जरूरी सामान खरीदने में किया जाएगा।अपनी इस यात्रा के दौरान विक्रम मिसरी ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ और अपनी समकक्ष अरुणी राजापक्षा से भी मुलाकात की।इन बैठकों में क्षेत्रीय मुद्दों और दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा उनका प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मिलने का कार्यक्रम है।

खसरे का कहर : बांग्लादेश में पांच और बच्चों की मौत, अब तक 854 मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरा (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में पांच और बच्चों की मौत के बाद इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 854 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान पांच नई मौतों की जानकारी दी। इन सभी मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, खसरे से अब तक 96 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 758 मौतें संदिग्ध मानी गई हैं। पिछले 24 घंटों में खसरे के 959 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिसके बाद कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 1,32,905 हो गई।इसी अवधि में 124 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 16,655 तक पहुंच गई।

अमेरिकी आसमान में ट्रंप का हेलीकॉप्टर पैसेंजर विमान के बेहद करीब पहुंचा, जांच शुरू

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन के आसमान में मंगलवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक की घटना सामने आई है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहा मरीन वन हेलीकॉप्टर और एक पैसेंजर प्लेन आसमान में एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए थे।इस गंभीर मामले की जांच अब सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं क्योंकि यह बड़ा मामला है। व्हाइट हाउस और विमानन नियामक संस्था एफएए ने तुरंत बयान जारी कर स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी समय किसी खतरे में नहीं थे। अधिकारियों ने कहा कि मरीन वन के पायलट दुनिया के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं जो विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा सुनिश्चित करना जानते हैं। इस घटना के बाद आसमान में सुरक्षा नियमों को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना दोपहर करीब 2 :30 बजे की बताई जा रही है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल हसन के घर पेट्रोल-बम से हमला, पत्थरबाजी और आग लगाने की कोशिश से हड़कंप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के घर पर बुधवार शाम हमला हुआ। ये घटना बांग्लादेश के मगुरा जिले में स्थित उनके घर पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की, खिड़कियां तोड़ दीं और घर में आग लगाने की कोशिश की। ये हमला उस समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। पुलिस के मुताबिक ये घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:45 बजे हुई। हमलावरों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दी गई : स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिन्हें पटाखों जैसी आवाज बताया गया। स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि घर पर पेट्रोल बम भी फेंके गए, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की ओर से जारी एक वीडियो में भी शाकिब के घर के बाहर पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं।

मगुरा सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल्ला अल मामुन ने द डेली स्टार से कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, खिड़कियां तोड़ीं और आग लगाने की कोशिश की। घटना के बाद पुलिस बल को शाकिब के घर के बाहर तैनात कर दिया गया। फिलहाल

हमलावरों की पहचान और हमले के कारण का पता नहीं चल पाया है।

मीडिया कार्यक्रम के बाद हुआ हमला : ये हमला उस मीडिया कार्यक्रम के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें शेख हसीना ने नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन फॉरेन कॉरस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने किया था। अपने संबोधन में शेख हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन पर अपनी सरकार के रुख का बचाव किया और कहा कि छात्र आंदोलन अचानक नहीं था, बल्कि सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित साजिश थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से राजनीतिक तनाव लगातार बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी , जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी के नेताओं ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था और मीडिया संस्थानों से हसीना का संबोधन प्रसारित न करने की अपील की थी।

क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस है हमले की वजह : अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों का आरोप है कि शाकिब के घर पर हुआ हमला उनकी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदगी से जुड़ा है। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों ने अभी तक इस हमले और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है और पुलिस ने भी किसी आरोपी की पहचान नहीं की है। शाकिब अल हसन बांग्लादेश के सबसे महान ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं, लेकिन अवामी लीग से उनके राजनीतिक संबंधों की वजह से वो लंबे समय से विवादों में भी रहे हैं। वो 2024 के आम चुनाव में अवामी लीग के टिकट पर मगुरा-1 सीट से सांसद चुने गए थे। विपक्षी दलों ने उस चुनाव को निष्पक्ष नहीं माना था। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या बोली शेख हसीना : अपने संबोधन में शेख हसीना ने अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की और कहा कि वो तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश लौटेंगी।शाकिब ने अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद से अब तक बांग्लादेश वापसी नहीं की है। राजनीतिक बदलाव के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें हत्या का मामला भी शामिल है। शाकिब का कहना है कि अगर उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया जाए तो वो बांग्लादेश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल शाकिब अपने परिवार के साथ अमेरिका में रह रहे हैं और लगातार फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वो कैरेबियन प्रीमियर लीग और लंका प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पहले भी कह चुका है कि राष्ट्रीय टीम के दरवाजे शाकिब के लिए अब भी खुले हैं।

हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे।

सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलते रहे शाकिब : शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी।

अमेरिका में 3.5 लाख हैती प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा, अदालत ने टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 3.5 लाख हैती नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा (टेम्परी प्रोटेक्टेड स्टेटस-टीपीएस) समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद इन प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा मंडराने लगा है, जबकि हैती इस समय गंभीर भूख, हिंसा और अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। टीपीएस एक ऐसी व्यवस्था है, जो उन देशों के नागरिकों को अमेरिका में अस्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देती है, जहां युद्ध, प्राकृतिक आपदा या अन्य गंभीर संकट की स्थिति हो। यह दर्जा लाभार्थियों को निर्वासन से भी सुरक्षा प्रदान करता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की जिला अदालत की न्यायाधीश एना सी. रेयेस ने इससे पहले ट्रंप प्रशासन के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त की जानी थी। बाद में एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी इस रोक को बरकरार रखा था।

हालांकि, जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संघीय कानून के तहत टीपीएस से जुड़े निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। इस फैसले का असर हैती, सीरिया और अन्य उन देशों के नागरिकों पर पड़ सकता है, जिन्हें अमेरिकी विदेश विभाग उच्च जोखिम वाले देश मानता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद न्यायाधीश रेयेस ने बुधवार को अपना पूर्व आदेश वापस लेते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के निर्णय के कारण उनकी 2 फरवरी 2026 की रोक अब प्रभावी नहीं रह गई है। इसके साथ ही हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक भी खत्म हो गई। सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रवासी अधिकार संगठन एफडब्ल्यूडी.यूएस ने बताया कि टीपीएस लाभार्थियों में लगभग दो लाख हैती नागरिक अमेरिका में रोजगार कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सेवा, वेयरहाउसिंग, खुदरा व्यापार और दीर्घकालिक देखभाल जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने हैती को अपने यात्रा परामर्श तंत्र में लेवल-4 श्रेणी में रखा है, जो सबसे उच्च जोखिम स्तर है। विभाग ने वहां अपराध, अपहरण, आतंकवादी गतिविधियों, सामाजिक अशांति और सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की हुई है। इस फैसले ने अमेरिका में रह रहे हजारों हैती नागरिकों के भविष्य को लेकर नई अनिश्चितता खड़ी कर दी है, क्योंकि अब उन्हें निर्वासन और कानूनी स्थिति से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

थाईलैंड में 9वीं के छात्र ने स्कूल में फायरिंग की , पहले घर पर दादा-दादी की हत्या की, फिर स्कूल में 6 को मारा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक 9वीं कक्षा के छात्र ने अपने दादा-दादी की हत्या कर दी। इसके बाद वह स्कूल पहुंचा और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। जांच में पता चला कि स्कूल जाने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा-दादी की हत्या की थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। हमले के बाद आरोपी छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि छात्र ने यह वारदात क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद देने के निर्देश दिए हैं।

गोलियां चलते ही क्लासरूम में छिप गए छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र अपनी जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखटाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक-दूसरे को संभालते नजर आए। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

कांगो में इबोला का कहर: 1850 मौतें, बच्चों पर सबसे गंभीर असर

किंशासा (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफकांगो (डीआरसी) इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप से जूझ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब तक 4053 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें से 1850 लोगों की जान जा चुकी है। वर्तमान में 694 मरीज इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि, पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बनी हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफने चिंता जाहिर कर इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। संगठन के मुताबिक, कुल पुष्ट मामलों में बच्चों का हिस्सा करीब एक चौथाई है, लेकिन कुल मौतों में उनकी हिस्सेदारी करीब एक तिहाई

है। विशेष रूप से, 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में मृत्यु दर वयस्कों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

यूनिसेफने बताया कि इबोला के डर और स्वास्थ्य केंद्रों में बाधाओं के चलते परिवार अस्पताल जाने से कतरा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बचपन के टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में भारी गिरावट आई है। यूनिसेफके डीआरसी प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने जोर देकर कहा कि यह प्रकोप पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रहा है, जिसका सीधा असर मलेरिया, डायरिया जैसी इलाज योग्य बीमारियों से बच्चों की मौतों पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा संगठन मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी में इबोला की स्थिति पहले से कहीं अधिक विकट है। संगठन के अनुसार, संक्रमण अभूतपूर्व गति से फैल रहा है और धीमा होने के कोई संकेत नहीं हैं। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी, चिकित्सा कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव और समुदायों में व्याप्त डर के कारण मरीज समय पर इलाज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है।

यमन के दक्षिणी तट के पास अदन की खाड़ी में जहाज के नजदीक जोरदार विस्फोट, समुद्री तनाव के बीच बढ़ी चिंता

अदन , एजेंसी। अदन की खाड़ी में यमन के दक्षिणी तट के पासएक टैंकर ने अपने नजदीक तेज धमाके की आवाज सुनने की सूचना दी है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को निशाना बनाने के नए अभियान के बाद क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह घटना अदन से लगभग 95 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में हुई। इसमें कहा गया, 'एक टैंकर के मास्टर ने बताया कि उन्होंने जहाज के पास एक जोरदार धमाका सुना और बताया कि सभी क्रू सुरक्षित हैं। ' यमन के सेंट्रल अल-बायदा प्रांत में हूती-नियंत्रित इलाके मुकायरस के लोगों ने न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हूती ने इलाके से अदन की

खाड़ी की ओर एक मिसाइल लॉन्च की है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं जुड़ी हुई थीं या नहीं। वहीं, हूती ने भी अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना हूती और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। इससे पहले सोमवार को (स्थानीय समय) एक कार्गो जहाज ने बताया था कि ओमान के तट पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से उस पर हमला हुआ है। यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के मुताबिक, यह घटना सोमवार को पहले ओमान के अल खसब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास हुई। इसके अलावा यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में विस्फोटकों से भरी एक नाव के हमले के बाद भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज डूब गया। सिन्हुआ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी बलों ने जहाज के 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल है। हालांकि, हमला कब हुआ इसकी जानकारी नहीं दी गई। सरकार समर्थित नेशनल रेजिस्टेंस फोर्सेज (एनआरएफ) ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल और नौसेना की इकाइयों ने संयुक्त अभियान चलाकर 'फैजे नूरे ओलिया' नामक जहाज के चालक दल को बचाया। यह जहाज हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 समुद्री मील दक्षिण में हमले का शिकार हुआ था। जहाज पर मौजूद सभी 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्हें चिकित्सकीय सहायता भी दी गई और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एनआरएफ ने इस हमले के लिए यमन के हूती समूह को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन अभी तक हूतियों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर:सरकार की पकड़ कमजोर

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा क्क्र के फंड में जाता है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदू, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है।

ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में झ्झक्क के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही टीटीपी ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब टीटीपी काबिज है। आए दिन टीटीपी के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के आए दिन होने वाले हमलों से पाक सेना में खौफ है। इस साल टीटीपी फौज पर 145 से ज्यादा हमले कर चुकी है, इनमें 48 सैनिक मारे गए। खैबर में डूरंड लाइन पर अभी पाक सेना की 50 फौजी चौकियां खाली हैं। 22 पोस्ट पर ही पाक फौज तैनात है।

ईरान पर दबाव बढ़ रहा, यह क्रांति के बाद का सबसे मुश्किल समय: राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट से एक सुरक्षित कमर्शियल शिपिंग रूट बनाने पर बातचीत लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने देश के लिए वर्तमान समय को काफी मुश्किल भरा बताया और कहा कि प्रतिबंधों और सैन्य टकराव का दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ईरानी शासन बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन का कहना है कि ईरान पर पाबंदियों और लड़ाई का दबाव बढ़ता जा रहा है और उन्होंने मौजूदा समय को 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे मुश्किल समय बताया।

अपने शपथ ग्रहण की दूसरी सालगिरह पर बुधवार को सरकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में पेजेश्कियन ने कहा कि पाबंदियां लगातार बढ़ रही हैं और उसके बाद सैन्य टकराव हुआ है। पेजेश्कियन ने आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) को बताया, 'अभी हम जिन हालात का सामना कर रहे हैं, वे क्रांति के बाद के इतिहास के सबसे मुश्किल हालात हैं। पाबंदियां थीं और वे बढ़ती गईं। फिर, उन्होंने हमारे बैंकों और हमारे फाइनेंशियल ऑपरेशन्स पर पाबंदी लगा दी। इससे खुश नहीं होने पर उन्होंने जंग छेड़ दी। ईरान के राष्ट्रपति ने टीवी पर दिए इंटरव्यू में कहा कि बाहरी दबाव का मकसद सरकार के लिए लोगों का समर्थन कमजोर करना है।उन्होंने दावा किया, 'अब वे जो भी योजना बना रहे हैं और जो भी दबाव डाल रहे हैं, वह लोगों को नाराज करने और जैसा कि वे कहते हैं, उन्हें विरोध करने के लिए उकसाने के लिए है।

पेजेश्कियन ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता ने ईरान को दबाव झेलने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'अगर हम आज तक बचे हैं तो इसका श्रेय ईरान के अच्छे लोगों को जाता है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने

बुधवार को ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बातचीत आसान नहीं होगी और इसमें काफी समय लग सकता है। वेंस के मुताबिक ईरानी बेहद जटिल लोग हैं और वहां का शासन तंत्र बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। बुधवार शाम को फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिकी लोगों के लिए, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए भी सबसे अच्छा नतीजा पाना है। तेल की कीमतें नीचे आएंगी और नीचे ही रहेंगी। ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा और अमेरिका एक मजबूत स्थिति में होगा। इसके अलावा ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यह भी बताया कि इस हफ्ते के अंत में तेहरान के किसी भी वरिष्ठ अधिकारियों के पाकिस्तान या कतर जाने की कोई योजना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रेस रिलीज के अनुसार,ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित रूट के भौगोलिक समन्वय पर सहमति बन गई है और वे एक संयुक्त बयान को फाइनल कर रहे हैं जिसमें तय किए गए खास पॉइंट्स बताए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों देश पिछले दो महीनों से प्रस्तावित रास्ते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें ईरानी अधिकारी तकनीकी, कानूनी, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

बाघेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमले और उसके कारण इलाके की सुरक्षा पर पड़ने वाले असर के कारण स्ट्रेट को बंद कर दिया गया था।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

■ प्रोटीन बेस ■ पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज ■ एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स ■ फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला ■ प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं–

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4–5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

■ सूरजमुखी के बीज ■ चिया बीज ■ अलसी का बीज ■ कद्दू के बीज ■ ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे– काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे– तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौंधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

इम्यून सिस्टम

रखें दुरुस्त बीमारियों से बचे रहेंगे

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार–बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी–कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब–जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट–शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा–निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह–तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच–बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते–जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ–सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 53 मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलकर कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करते हैं कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बताते हैं कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टैट किड्स स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 और 36 महीने की उम्र में अपने बच्चों की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे–धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे–धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिताते थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते हैं। वहीं माता–पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां–बाप जितने ज्यादा पढ़े–लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े–लिखे मां–बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां–बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक–3–5–7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक–2–5–7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक–2–5–6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक–1–4–8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार–दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक–2–6–8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक–3–5–8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान–पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान–सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह–सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक–3–5–8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान–सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद–प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक–1–3–5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभांक–5–7–9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प–परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक–1–6–8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख–आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक–1–3–8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभांक–5–7–9

काकुरो पहेली - 1770

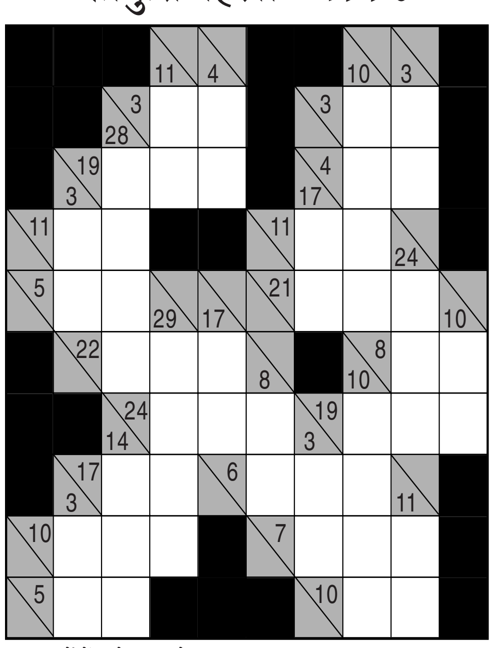

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

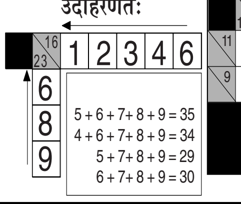

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1769 का हल

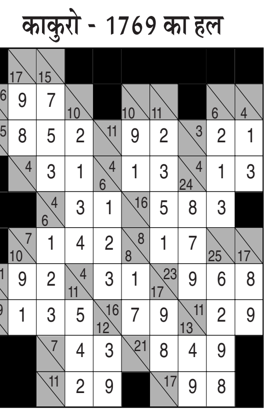

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला– क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन– नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार–बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था– मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली– डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी–गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब– अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1770

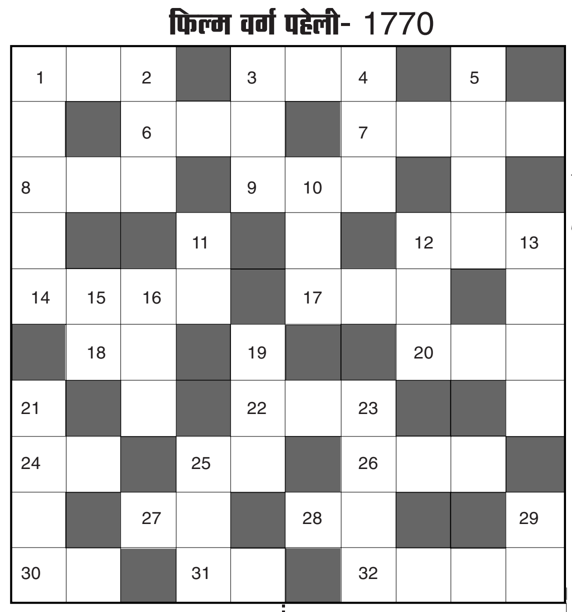

बायें से दायें:–

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म–३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म–३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म–३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म–४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म–३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म–३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म–२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?–३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म–२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म–३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म–३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म–२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म–२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म–३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म–२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म–२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म–२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म–२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म–४

ऊपर से नीचे:–

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म–२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म–३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म–३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म–३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म–४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म–३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म–२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म–३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म–४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म–२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म–३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म–३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म–४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म–४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म–३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 1769

उ	त्स	व		चि	त्र	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु -1770

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1769 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 1770

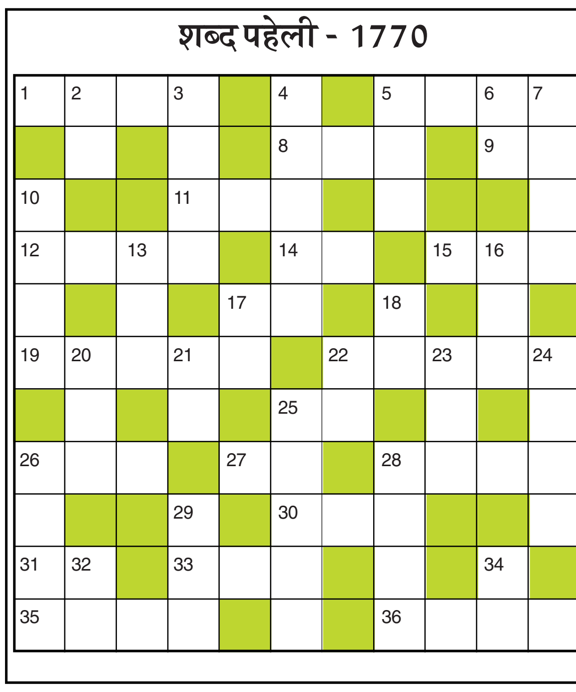

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर–4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी–4)
8.हवा,समीर–3
9.रुष्ट,गुस्सा होना–2
11.सफेद,श्वेत–3
12.हमेशा,सदैव–4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा–2
15.सिर्फ,महज–3
17.अनाज का कण–2
19.आधुनिक,नया–5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा–5
25.सदैव–2
26.ध्वजा–3
27.अधिकार–2
28.असमकक्ष–4
30.चिलमन,नकाब–3
31.वायु रोग–2
33.नल,टोंटी–3
35.आवश्यकता–4
36.शमशीर–4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी–2
3.नीच,अपराधी–4
4.बिजली कौंधना–5
5.बंदर,मर्कट–3
6.जूं का अंडा–2
7.दक्षता,होशियारी–4
10.उपकार,दया भार–4
13.कुचलना,दबाना–3
16.आमदनी–3
17.मूल्य,कीमत–2
18.वाद्य यंत्र–2
20.बहादुरी–3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं–2
22.नाज,नखरा–2
23.उत्तराधिकारी–3
24.आधुनिकता–4
25.झिझकना–5
26.हौसला, ताकत–4
28.शत्रुता,दुश्मनी–4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू–3)
32.पेड़,दरख्त–2
34.औषधि–2

शब्द पहेली - 1769 का हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

चुनावी तैयारियों के बीच एआईसीसी ने उत्तराखंड कांग्रेस की नई कार्यकारिणी और समितियों का किया गठन

एजेंसी

देहरादून। आगामी चुनावी तैयारियों के मद्देनजर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) का व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन करते हुए नई कार्यकारिणी, पदाधिकारियों और चार महत्वपूर्ण समितियों के गठन को मंजूरी दे दी है। कांग्रेस अध्यक्ष की स्वीकृति के बाद एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई व्यवस्था के तहत प्रदेश कांग्रेस की 41 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया है। साथ ही संगठन को बूथ और जिला स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से तीन उपाध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष, 36 महासचिव और 107 सचिव नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा घोषणापत्र समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, एसआईआर समिति और चार्जशीट समिति का भी गठन किया गया है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से मिला धार्मिक नेताओं का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। अल्पसंख्यकों के संयुक्त कार्य मंच के अध्यक्ष और सांसद पी. विल्सन के नेतृत्व में भारत के विभिन्न ईसाई समुदायों और धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधियों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक में प्रस्तावित विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित विधेयक को वर्तमान स्वरूप में वापस लेने की मांग की। एक्ज़िक्यूटिवब्रांच प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि विधेयक में संशोधन के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया जारी रहती है तो इसे व्यापक चर्चा, सभी संबंधित पक्षों से परामर्श और कानूनी पहलुओं की समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 की धारा 15 को लेकर चिंता जताई और इसे हटाने की मांग की। प्रतिनिधियों का कहना था कि विदेशी अंशदान से संचालित धर्मार्थ संस्थाओं या उनकी संपत्तियों को सरकार के अधीन करने का कोई भी प्रावधान नहीं होना चाहिए।

भोपाल में जुटेंगे घुड़सवारी के देशभर के शीर्ष प्रशिक्षक, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं विशेषज्ञ

भोपाल। मध्य प्रदेश में घुड़सवारी खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने एवं इसके समग्र विकास और प्रोत्साहन के उद्देश्य से 08 अगस्त को भोपाल स्थित मप्र राज्य घुड़सवारी अकादमी में राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार में देशभर के प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों, इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों तथा सरकारी एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों की सहभागिता रहेगी। सेमिनार की तैयारियों को लेकर प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मंत्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में घुड़सवारी खेल के लिए एक सशक्त और दीर्घकालीन इकोसिस्टम विकसित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस सेमिनार में देशभर के अनुभवी प्रशिक्षकों, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों, इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया, निजी प्रशिक्षण केन्द्रों तथा प्रदेश के प्रमुख सरकारी एवं निजी संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उनके अनुभवों एवं सुझावों के आधार पर मध्य प्रदेश में घुड़सवारी खेल के विकास के लिए एक व्यापक एवं दीर्घकालीन रोडमैप तैयार किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विदेशी अंशदान के उपयोग में पारदर्शिता, जवाबदेही और अनियमितताओं की रोकथाम आवश्यक है, लेकिन इसके लिए मौजूदा कानूनी व्यवस्था पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रावधान नहीं होने चाहिए जो संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों और धर्मार्थ संस्थाओं की स्वतंत्र कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी से नेतन्याहू ने की टेलीफोन पर बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-इज़राइल के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों की समीक्षा की और आपसी सहयोग को लगातार मजबूत करने पर सहमति जताई।प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-इज़राइल के बीच रक्षा, कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में जारी सहयोग पर चर्चा की। दोनों देश अपनी विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे, जिससे दोनों देशों को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा करते हुए संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

जेन-जी देशविरोधी नहीं, उनकी शिकायतें वास्तविक

छात्र आंदोलनों पर बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

भारत की शिक्षा व्यवस्था में अभी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हालिया छात्र आंदोलनों और जेन जी को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि जेन जी विरोध-प्रदर्शन कर रही है तो उन्हें 'देशविरोधी' नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देश की अपनी नई पीढ़ी है और उनके मुद्दों को संवाद के जरिए समझकर समाधान निकालने की जरूरत है।

एक छात्र संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा, अगर जेन जी प्रदर्शन कर रही है तो इसका मतलब यह नहीं कि वे एंटी-नेशनल हैं। वे हमारे अपने लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं। मेरा मानना है कि जेन जी और जेन अल्फा मौजूदा पीढ़ी की तुलना में अधिक ईमानदार हैं। उनके साथ देशभक्ति और सेवा की ईमानदार अपील प्रभावी होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन भी सहमति बनाने का एक माध्यम है। विभिन्न विचारों के बीच संवाद से ही व्यापक सहमति बनती है। यदि किसी कारण से लोगों की बात नहीं सुनी जाती, तब आंदोलन का रास्ता अपनाया जा सकता है, लेकिन उसका उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार होना चाहिए।

भागवत ने कहा कि हाल की घटनाओं में छात्रों की शिकायतें वास्तविक हैं और भारत की शिक्षा व्यवस्था में अभी बहुत कुछ किए

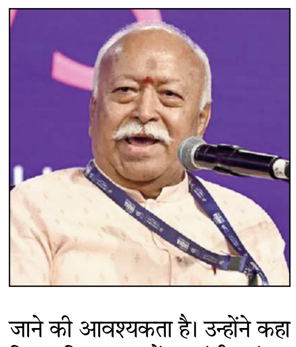

जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए इन मुद्दों पर गंभीर संवाद होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हम उनकी उम्र के थे, तब बड़ों की हर बात बिना सवाल किए मान लेते थे। लेकिन आज की जेन जी और जेन अल्फा सवाल पूछती है, तार्किक जवाब चाहती है और अपनापन भी चाहती है। लोकतंत्र में यही सही तरीका है। अंग्रेजी में इसे 'डिबेट' कहा जाता है, जबकि हमारी परंपरा में इसे 'शास्त्रार्थ' कहा गया है, जहां विभिन्न दृष्टिकोणों से सत्य का व्यापक स्वरूप सामने आता है।

उन्होंने कहा कि वह यह नहीं कहेंगे कि जेन जी को आंदोलन नहीं करना चाहिए, लेकिन लोकतंत्र में विरोध करने के भी तरीके हैं। इस संदर्भ में उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान सभा में दिए गए भाषणों और संविधान की भावना को समझने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह भी समझना चाहिए कि युवा किसी व्यक्ति के विरोध में नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर आवाज उठा रहे हैं। छात्रों पर कथित पैलेट गन फायरिंग के सवाल पर भागवत ने कहा कि इस घटना की पूरी जानकारी उनके पास नहीं है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने भी इस संबंध में मीडिया में खबर पढ़ी है, इसलिए बिना पूरी जानकारी के टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि आंख मूंदकर किसी पर विश्वास करने की बात होगी तो वह जेन जी पर विश्वास करेंगे। शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए और उसकी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, शिक्षा हमारे बच्चों और अगली पीढ़ी के निर्माण के लिए है, पैसा कमाने का माध्यम नहीं।

उन्होंने शिक्षकों के लगभग 10 लाख रिक्त पदों का उल्लेख करते हुए शिक्षा पर सकल बजट का 6 प्रतिशत खर्च किए जाने की लंबे समय से चली आ रही मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह मांग उचित है और बिना आंदोलन के भी इसे हासिल किया जा सकता है। सोशल मीडिया के संबंध में भागवत ने कहा कि केवल नियम और अनुशासन बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों का दृष्टिकोण भी बदलना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के जरिए फर्जी वीडियो आसानी से बनाए जा रहे हैं, इसलिए प्रामाणिक और विश्वसनीय स्रोतों की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का किया ऐलान

अगले छह महीनों में देशभर में संगठन का विस्तार

एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपनी पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों के नामों का औपचारिक ऐलान किया। पार्टी ने कहा कि देशभर में संगठन के विस्तार और अपने रोडमैप को लागू करने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने इस नेतृत्व टीम को मंजूरी दी है। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30 वर्षीय अभिजीत दिपके को संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है।

वहीं 30 वर्षीय आशुतोष रांका और 27 वर्षीय सौरव दास को राष्ट्रीय सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय संगठन प्रभारी के रूप में 35 वर्षीय अजिंक्य शिंदे और संगठन सह-प्रभारी के रूप में 26

वर्षीय दीपक बलियान की नियुक्ति की गई है। 34 वर्षीय आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पार्टी ने विभिन्न प्रकोष्ठों के लिए भी जिम्मेदारियां तय की हैं। विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को विधिक मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौर को अनुसंधान एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख और योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है।

क्षेत्रीय संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी ने चार जोनल प्रभारियों की भी घोषणा की है। उत्तर क्षेत्र की जिम्मेदारी दीपक बलियान, दक्षिण क्षेत्र की विजय रेड्डी मल्लांगी, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र की अंकित भारद्वाज तथा पश्चिम क्षेत्र की योगेश इंगले को सौंपी गई है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अगले छह महीनों के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी देशभर में राज्य समन्वय समितियों के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर की समन्वय इकाइयों का गठन करेगी। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि आज घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को पार्टी का पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है।

राहुल गांधी ने रांची में आंदोलनकारी छात्रों से की बात, मांगों की सूची मांगी

एजेंसी

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ पिछले 13 दिनों से आंदोलन कर रहे छात्रों से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रात को फोन पर बातचीत की। करीब 10 मिनट तक चली इस बातचीत में उन्होंने छात्रों की समस्याएं सुनीं, आंदोलन को समर्थन दिया और उनकी मांगों की सूची व्हाट्सएप पर भेजने को कहा। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेताओं की राहुल गांधी से बातचीत रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा के मोबाइल फोन के माध्यम से कराई गई। बातचीत के दौरान छात्रों ने भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, पेपर लीक, लंबित नियुक्तियों और आंदोलन की मौजूदा स्थिति से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी कई दिनों से धरना और अनशन पर बैठे हैं तथा भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने छात्रों से कहा कि वे अपनी सभी मांगों का विस्तृत ज्ञापन उन्हें व्हाट्सएप पर भेजें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह पूरे मामले पर झारखंड सरकार से बात करेंगे और

छात्रों की मांगों के समाधान का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज सुनी जानी चाहिए और उनके साथ न्याय होना चाहिए। इस बीच छात्रों ने सरकार के साथ प्रस्तावित वार्ता के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की सूची भी जारी कर दी। प्रतिनिधिमंडल में आठ छात्र प्रतिनिधियों के अलावा दो पत्रकार और एक अधिवक्ता को शामिल किया गया है।

नाराज कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष होरट्टी 14 अगस्त को पद से इस्तीफा देंगे

'संवैधानिक पद का इस तरह अनादर करना या उस पर कब्जा करना उचित नहीं है'

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि वे 14 अगस्त को आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा सौंपेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने नए मंत्रियों की सूची जारी करते हुए वरिष्ठ नेता सलीम अहमद का नाम इस पद के लिए घोषित किया है। इस कदम से विवाद खड़ा हो गया है।

भाजपा ने आलोचना करते हुए कहा है कि अध्यक्ष पद पर रहते हुए उम्मीदवार का नाम घोषित करना परंपरा के विरुद्ध है। पार्टी का कहना है कि अध्यक्ष पद संवैधानिक रूप से पवित्र है और इसे पार्टी की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। इस बीच, केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और विचार-विमर्श किया। बसवरज होरट्टी ने बताया कि कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होने वाला है। सत्र का पहला दिन दिवंगत गणमान्य व्यक्तियों के लिए शोक सभाओं के लिए समर्पित होगा। होरट्टी ने कहा कि वे सत्र के दूसरे दिन, उपाध्यक्ष पद के चुनाव के तुरंत बाद, 14 अगस्त को अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे। होरट्टी ने बताया कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें सूचित किया है कि यह निर्णय कांग्रेस हाई कमांड द्वारा लिया गया है। होरट्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि यह कांग्रेस हाईकमान का अंतिम निर्णय है और उन्होंने मुझसे अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का अनुरोध किया। मैंने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है। घटनाक्रम पर नाराजगी व्यक्त करते हुए होरट्टी ने कहा कि इस तरह से संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाना अनुचित है।

ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव-2026 में हुआ छह देशों की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 के अंतर्गत केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा गुरुवार शाम को रवींद्र भवन में ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव-2026 आयोजित किया गया, जिसमें छह देशों की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन हुआ। ब्रिक्स सांस्कृतिक कार्य समूह की तीसरी बैठक के दूसरे दिन आयोजित इस महोत्सव में ब्रिक्स सदस्य एवं शामिल देशों के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विभिन्न देशों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचय कराया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सहयोग की भावना को सशक्त बनाया। महोत्सव का आयोजन 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना पर आधारित था, जो सार्वभौमिक शांति, सद्भाव और सामूहिक कल्याण के भारत के सभ्यतागत दर्शन को अभिव्यक्त करता है। यह आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 की थीम

'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और निरंतरता के लिए निर्माण' के अनुरूप विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जन-जन के आपसी संबंधों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिभागी देशों की सांस्कृतिक परेड के साथ हुआ। इसमें बेलारूस, ब्राजील, इंडोनेशिया, रूसी संघ, संयुक्त अरब अमीरात और मेजबान भारत के सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडलों ने शामिल होकर वैश्विक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द का परिचय दिया। बेलारूस के गेनाडी त्सितोविच नेशनल एकेडमिक लोक कॉयर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ बेलारूस के कलाकारों ने पारंपरिक बेलारूसी लोकगीतों और हास्य लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी।

एनएचआरसी ने 8 राज्यों के डीजीपी को भेजा नोटिस

बच्चों से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री को लेकर मेटा को भी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने जानकारी दी कि पिछले एक सप्ताह में इंस्टाग्राम पर बच्चों का यौन शोषण और आपत्तिजनक सामग्री (सीएसईएएम) के 50 से अधिक मामलों की शिकायत मिली है। कानूनगो ने बताया कि उन्होंने इन घटनाओं के संबंध में दिल्ली, पंजाब से लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल तक कई राज्यों के डीजीपी को नोटिस जारी किया है। एनएचआरसी सदस्य प्रियंक कानूनगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'पिछले एक सप्ताह में इंस्टाग्राम पर सीएसईएएम (बच्चों का यौन शोषण और आपत्तिजनक सामग्री) के 50 से अधिक मामलों की शिकायत आ चुकी हैं। प्राप्त जानकारी के आधार हमने पंजाब, दिल्ली, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार के पुलिस प्रमुखों को नोटिस जारी कर एफआईआर दर्ज

करने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।' प्रियंक कानूनगो ने आगे जानकारी दी कि हमने मेटा इंडिया को भी नोटिस जारी कर स्वयं में सुधार करने और भारत का कानून मानने के लिए चेतावनी दी है। प्रियांक कानूनगो ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी आगाह किया है। इससे पहले, प्रियंक कानूनगो ने समाचार एजेंसी बात करते हुए कहा, 'इंस्टाग्राम और मेटा के अन्य प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के बारे में मिली शिकायतों के आधार पर हमने छह राज्यों के डीजीपी को पत्र लिखकर उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। ' उन्होंने कहा कि बच्चों का यौन शोषण, ऐसी हरकतों की वीडियो बनाने और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने में शामिल हैं। ये अपराध की तीन अलग-अलग श्रेणियां हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस मामले में अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। हमने पुलिस से एफआईआर दर्ज करने का आग्रह किया है।

कानूनगो ने कहा कि इस तरह की सामग्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड होना उस प्लेटफॉर्म की लापरवाही को दर्शाता है। बीबीसी मामले में भी हमने संज्ञान लिया और दिल्ली पुलिस को नोटिस भेजा था। समय पर एफआईआर और जांच रिपोर्ट न मिलने पर हमने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को समन भेजा और आयोग में उपस्थित होने के निर्देश दिए थे।

जन-गण-मन के रचयिता रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

'गुरुदेव टैगोर एक महान कवि होने के साथ ही दार्शनिक, शिक्षाविद, संगीतकार, चित्रकार, समाज सुधारक और मानवतावादी चिंतक भी थे। '

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के रचयिता, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने श्रद्धांजलि दी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पर लिखा, 'भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के महान शिल्पी, विश्वकवि, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित, राष्ट्रगान 'जन गण मन' के रचयिता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि।' ओम बिड़ला ने आगे लिखा, 'गुरुदेव टैगोर एक महान कवि होने के साथ ही दार्शनिक, शिक्षाविद्, संगीतकार, चित्रकार, समाज सुधारक और मानवतावादी चिंतक भी थे। अपनी साहित्यिक रचनाओं, शिक्षा दर्शन और सांस्कृतिक दृष्टि के माध्यम से उन्होंने भारतीय चेतना को नई दिशा प्रदान की। वर्ष 1913 में 'गीतांजलि' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर गुरुदेव ने भारतीय साहित्य को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास और स्वतंत्र चिंतन का आधार है। '

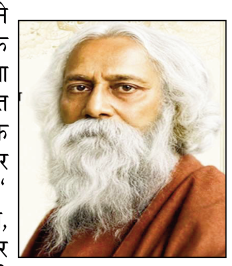

उन्होंने कहा, 'भारतीय संस्कृति, प्रकृति, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों को अपनी रचनाओं में अद्भुत संवेदनशीलता के साथ अभिव्यक्त करने वाले गुरुदेव टैगोर ने प्रेम, करुणा, सह-अस्तित्व और विश्व-बंधुत्व का संदेश दिया। उनका सम्पूर्ण जीवन और विचार आज भी भारतीय संस्कृति, शिक्षा और मानवता के लिए प्रेरणा के शाश्वत स्रोत हैं, उनकी रचनाएं आज भी समाज को संवेदनशील, जागरूक और मानवीय बनाने की प्रेरणा देती हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'कविगुरु गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। गुरुदेव टैगोर ने अपनी लेखनी से भारत की आत्मा को स्वर दिया और स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना का संचार किया। उनकी अमर कृति 'जन गण मन' राष्ट्र की एकात्म चेतना और आत्मगौरव का प्रतीक है। विश्व भारती विश्वविद्यालय की स्थापना कर कविगुरु ने भारतीय संस्कृति, दर्शन और शिक्षा के वैभव को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। उनका साहित्य आज भी करोड़ों देशवासियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। '

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, 'राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के रचयिता, नोबेल पुरस्कार से अलंकृत, महान कवि व अद्वितीय कथाकार गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं!आपकी अमर कृतियां, आदर्श जीवन व पुण्य विचार सदैव हमें राष्ट्र की उन्नति और समाज के उत्थान के लिए प्रेरित करते रहेंगे। '

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर लिखा, 'भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अग्रदूत, महान दार्शनिक व साहित्यकार, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित, श्रद्धेय गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने न केवल देश के लिए 'जन-गण-मन' जैसा पवित्र राष्ट्रगान रचा, अपितु शिक्षा, कला और स्वराज के विचार को भी नई दिशा दी। आपकी कालजई और राष्ट्रप्रेम की अलख जगाने वाली रचनाएं व पुण्य विचार हमें आज भी आत्मबोध, राष्ट्रबोध और मानवीय मूल्यों की ओर प्रेरित करते हैं। ' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हमारे राष्ट्रीय गान 'जन-गण-मन' की सच्ची भावना को साकार करने वाले, भारतीय विद्वान, नोबेल पुरस्कार विजेता और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। ' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा, 'भारत के मस्तक पर साहित्य, संस्कृति और स्वाभिमान का स्वर्णिम मुकुट सजाने वाले, राष्ट्रगान के अमर रचयिता, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

एसएएससीआई 2026-27 के तहत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला देश का पहला राज्य बना छत्तीसगढ़

एजेंसी

रायपुर। स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त हुई है। राज्य में कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) इकोसिस्टम के विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी प्रयासों की सराहना भारत सरकार ने की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी है कि केंद्र सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पूंजीगत निवेश विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) 2026-27 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। इस योजना के तहत यह प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है और यह उपलब्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग तथा छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को इस सफलता के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति राज्य के कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण क्षेत्र में परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी। इससे कृषि अवशेषों का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का नया स्रोत मिलेगा तथा पराली और अन्य जैव अवशेषों के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए हरित अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को जैव ईंधन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। सीबीजी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश, रोजगार, किसानों की आय, जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण को नई गति मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी। राज्य सरकार ने कम्प्रेस्ड बायोगैस परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति-2026 को 8 जून 2026 को अधिसूचित किया है।

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।

इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म के लिए सलमान खान ने घटाई फीस

सलमान खान का सिनेमा की दुनिया में अलग ओहदा है। वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सितारों में शामिल हैं। फिलहाल भाईजान आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके बाद उनके पास डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की फिल्म 'SVC63' है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 'SVC63' फिल्म के लिए उन्होंने अपनी फीस कम की है।

कितनी फीस ले रहे सलमान खान? रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर वामशी के साथ अपनी आने वाली फिल्म के लिए सलमान खान ने एक चौंकाने वाला फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सलमान 'SVC63' के लिए 70 करोड़ रुपये बतौर फीस ले रहे हैं। आमतौर पर उनकी फीस फिल्मों के लिए 120 करोड़ रुपये होती है। मगर, वामसी के लिए मिलने वाली रकम काफी कम है।

भाईजान ने दोस्ती की खातिर लिया फैसला?

इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स के मुताबिक, यह फैसला रफी काजी के साथ सलमान की दोस्ती की वजह से लिया गया। कहा जाता है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू करने में मदद की और वे इसके प्रोड्यूसर में से भी एक होंगे। सूत्र ने 'फ्री प्रेस जर्नल' को बताया, 'सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 वर्षों से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपये से ज्यादा रही है। मगर, उन्होंने स्ङ्क्ष्63 के मेकर्स को यह छूट इसलिए दी है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मीडिएटर हैं'।

क्या मुनाफे में हिस्सा लेंगे सलमान?

बता दें कि इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे। वहीं, रफी का नाम भी फिल्म के निर्माताओं में शामिल होगा। दोस्ती की वजह से ही सलमान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सलमान ने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी के लिए कोई बातचीत की है या नहीं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी भी बैकएंड डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं यामी गौतम

माता-पिता ने बहुत साथ दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया है कि एक समय ऐसा आया था, जब वह बॉलीवुड छोड़ने ही वाली थीं। यामी ने माना कि 2019 में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बाला' फिल्मों ने उनके करियर की दिशा बदल दी। 'विकी डोनर' (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि बेहतर मौकों के इंतजार में ऐसे रोल भी स्वीकार करने पड़ते थे जो पसंद नहीं थे।

हिमाचल जाना चाहती थीं यामी यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड छोड़ने के बारे में सोचा था? इस पर यामी ने कहा 'हां। असल में, 'उरी' और 'बाला' से ठीक पहले, मैंने इंडस्ट्री को पूरी तरह छोड़ने का मन बना लिया था। मैंने सोचा था कि मैं हिमाचल लौट जाऊंगी। वहां हमारी खेती की जमीन है। मैंने एक बिल्कुल अलग जिंदगी शुरू करने के बारे में सोचा था। मेरे माता-पिता ने मेरा बहुत साथ दिया। उन्होंने बस इतना कहा, 'घर आ जाओ'।'

अभिनेत्री ने सीखी एक चीज

37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें उनके करियर का एक बहुत जरूरी सबक सिखाया। वह यह कि अपने फैसलों पर डर को हावी न होने देना। 'उरी' ने न सिर्फ यामी गौतम के करियर को आगे बढ़ाया, बल्कि उन्हें डायरेक्टर आदित्य धर के करीब भी लाया, जिनसे वह फिल्म के सेट पर मिली थीं। बाद में दोनों ने 2021 में शादी कर ली और 2024 में उनके घर पहले बच्चे, एक बेटे 'वेदविद' का जन्म हुआ। इतने वर्षों में यामी ने कई तरह की फिल्में की हैं, जिनमें 'दसवीं', 'चोर निकल के भागा', 'ओएमजी 2', 'हक' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्में शामिल हैं।

यामी को मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड हाल ही में उन्हें 'आर्टिकल 370' में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। यह फिल्म भारतीय संविधान के आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस खत्म किए जाने की 2019 की घटना पर आधारित है।

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की।

जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है।

प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है।

प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है। प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो तुझसे है राब्ता दिल में में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

सलमान की सलाह पर अपना नाम बदलकर कियारा रखा

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा।

दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

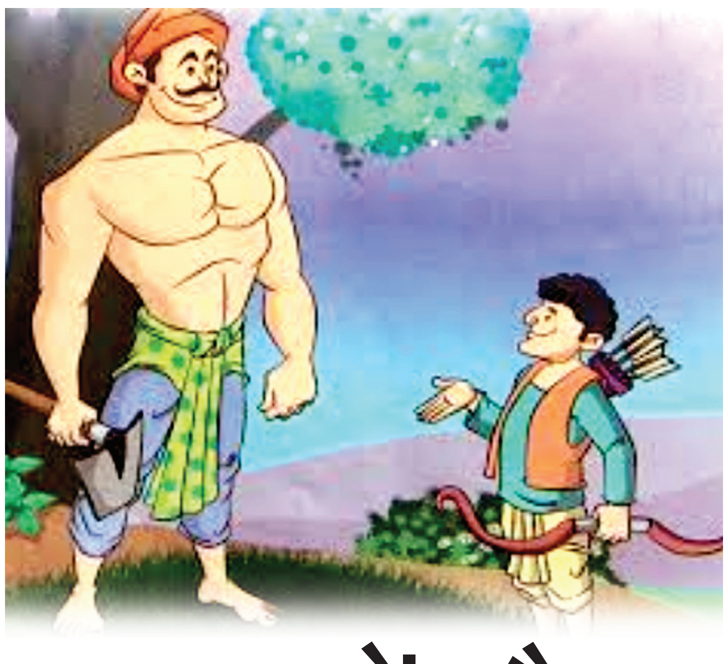

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।
लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।
कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।
एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।
उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।
मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।
एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।
जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।
एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।
जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।
जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।
जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?
मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया। इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।
जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।